Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 41
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 17 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 अल्पसंख्यक संस्था दर्जा प्रमाणपत्र मामलों की .... 4 राजधानी दिल्ली में गुमशुदगी को लेकर दावे ... 7 पाकिस्तान के खिलाफ 0 पर आउट होने के ...

संक्षिप्त न्यूज

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका, भूपेन बोरा ने छोड़ी पार्टी

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता और पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने कांग्रेस में सभी पदों के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है।

सूत्रों के अनुसार, बोरा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी अनदेखी करने और राज्य इकाई में उन्हें उचित स्थान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है।

मीडिया को दी अपने इस्तीफे की जानकारी

वहीं मीडिया से बात करते हुए भूपेन बोरा ने जानकारी देते हुए कहा कि मैंने आज सुबह 8 बजे कांग्रेस आला कमान को अपना इस्तीफा भेज दिया और विस्तार से बताया कि मुझे यह कदम उठाने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत निर्णय नहीं है। मैंने पार्टी को 32 साल दिए। मैं 1994 में पार्टी में शामिल हुआ था। यह सिद्धांत केवल व्यक्तिगत नहीं है; यह पार्टी के भविष्य की चिंता से प्रेरित है। इसीलिए मैंने कांग्रेस हाई कमान को सब कुछ विस्तार से बताया है।

दो-तीन पार्टियों ने मुझे बुलाया है: बोरा

कांग्रेस से इस्तीफा देने के कारणों के बारे में पूछने पर भूपेन बोरा ने कहा, 'मुझे अपने इस्तीफे के कारण पर बोलने की आवश्यकता नहीं लगती। मैंने निश्चित रूप से इस्तीफा दे दिया है और अपना इस्तीफा आलाकमान को भेज दिया है, जब भी मुझे आवश्यक लगेगा, मैं विस्तार से बता दूंगा।' उन्होंने यह भी बताया कि कई अन्य पार्टी के नेताओं का फोन उनके पास पहुंचा है। किसी अन्य दल में शामिल होन पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले भी कई बार ऐसा (भाजपा में शामिल होने की बात) बोला है। दो-तीन पार्टियों ने मुझे बुलाया है। कांग्रेस हाई कमान ने भी मेरे से बात की है।

अब एआई बनेगा भारत की नई शक्ति!

भारत मंडपम से पीएम मोदी ने किया Tech Revolution का शंखनाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित किया जाएगा और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग को प्रदर्शित करने वाले एक राष्ट्रीय मंच के रूप में देखा जा रहा है, जो नीति निर्माण, नवाचार और व्यापक कार्यान्वयन को एक ही मंच पर लाएगा। 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 क्षेत्रों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां, स्टार्टअप, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार भाग ले रहे हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान जियो एआई पवेलियन में जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति और स्मार्ट होम सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कंपनी के एआई-आधारित परिवर्तन का प्रदर्शन किया।

20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई नेता एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए नई दिल्ली में एकत्रित हुए। एआई इम्पैक्ट समिट तीन मूलभूत स्तंभों या 'सूत्रों' पर आधारित हैः लोग, ग्रह और प्रगति। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो में 30 देशों के 300 से अधिक प्रदर्शकों के 10 से अधिक विषयगत पवेलियनों में भाग लेने की उम्मीद है।

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए प्रभाव-उन्मुख और जन-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है, जिसमें मापने योग्य सामाजिक और आर्थिक परिणामों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया है। यह शिखर सम्मेलन तीन मूलभूत स्तंभों पर आधारित है, जिन्हें 'सूत्र' कहा जाता है - एक संस्कृत शब्द जिसका अर्थ है मार्गदर्शक सिद्धांत या आवश्यक सूत्र जो ज्ञान और कर्म को आपस में जोड़ते हैं। ये सूत्र परिभाषित करते हैं कि किस प्रकार बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से सामूहिक लाभ के लिए एआई का उपयोग किया जा सकता है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप केंद्रित और परिणामोन्मुखी परिणाम दे रहा है। यह समिट सरकार और उद्योग जगत में प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक एआई तैनाती, नीतिगत सामंजस्य और संस्थागत समन्वय को बढ़ावा दे रहा है। यह शासन और नियामक ढांचों को मजबूत कर रहा है, एआई-आधारित औद्योगिक विकास के लिए क्षेत्रीय तैयारियों का आकलन कर रहा है और कौशल विकास एवं कार्यबल परिवर्तन को गति दे रहा है। यह समिट एआई अनुप्रयोगों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहा है और एआई पारिस्थितिकी तंत्र के जिम्मेदार, समावेशी और नवाचार-संचालित विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार, शिक्षा जगत, स्टार्टअप और उद्योग के बीच स्थायी साझेदारी को बढ़ावा दे रहा है।

दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री

नए आपराधिक कानूनों को बताया उपलब्धि

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड में समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आने वाले समय में देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो जाएंगे। इससे देश में आपराधिक मामलों में सजा की दर 80 फीसदी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने आखिरी दौर में है और इस वर्ष मार्च तक यह खतरा हमेशा के लिए खत्म होने का भरोसा जताया।

उन्होंने आगे बाताया कि पिछले 11 वर्षों में देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। इसमें ये तीन नए न्याय आधारित आपराधिक कानून भी शमिल हैं। यह कानून लागू होने के बाद मामलों का निपटारा करने और सजा कू दर को बढ़ाने में मददगार साबित होंगे।

गृह मंत्री ने तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का जिक्र भी किया। इन सभी ने 1 जुलाई 2024 को आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ली। गृह मंत्री ने स्पेशल सेल के लिए एक इंटीग्रेटेड हेडक्वार्टर और सेफ सिटी प्रोजेक्ट का पहले फेज की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सेफ सिटी प्रोजेक्ट के पहले फेज़ के तहत, 10,000 एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों में से 2,100 को निगरानी नेटवर्क से जोड़ा गया है। साथ ही, पहले से मौजूद 15,000 सीसीटीवी कैमरों को भी इसके साथ जोड़ गया है।

डेरेक ओ ब्रायन तृणमूल कांग्रेस का पीएम मोदी पर निशाना, कहा टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आज पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए खोखले शाब्द का इस्तेमाल किया। पीएम मोदी के संसद पीटीआई के साथ इंटरव्यू पर उन्होंने निशाना साधा।

राज्यसभा में टीएमसी नेता ने भी प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए उन्हें टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून कहा। उन्होंने कहा पीएम मोदी, उर्फ टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून, जो संसद में बोलने से भागते हैं, उनके और भी खोखले शब्द हैं। लोकसभा ने हाल ही में खत्म हुए बजट सेशन के दौरान विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच प्रधानमंत्री के हमेशा की तरह जवाब के बिना ही मोशन ऑफ थैंक्स पास कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बाद में कहा कि उनके पास पक्की जानकारी है कि कांग्रेस के कई सदस्य प्रधानमंत्री मोदी की सीट की ओर बढ़ सकते हैं। जिसके चलते उन्होंने पीएम से राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देने के लिए सदन में न आने का अनुरोध किया था। मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब दिया था, जिसके दौरान विपक्षी पार्टियों ने वॉकआउट किया था।मोदी ने बड़े ट्रेड एग्रीमेंट करने में नाकाम रहने के लिए यूपीए सरकार की आलोचना की, और कहा कि विकसित भारत में महिलाएं सबसे अहम भूमिका निभाएंगी।

9 जजों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से करेगी सुनवाई, तय होगी महिलाओं के प्रवेश की वैधता

तिरूवनन्तपुरम। केरल के पहाड़ी तीर्थस्थल सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश की वैधता से संबंधित पुनर्विचार याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने पक्षों को लिखित दलीलें प्रस्तुत करने के लिए 14 मार्च की समय सीमा निर्धारित की है और सुनवाई 22 अप्रैल तक समाप्त होने की उम्मीद है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि इस मामले को नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए, जिसकी संरचना मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से अधिसूचित की जाएगी।

यह मामला सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से जुड़ा है, जिसने सभी उम्र की महिलाओं को सबरीमाला में प्रवेश की अनुमति दी, और उस लंबे समय से चली आ रही प्रथा को पलट दिया जिसके तहत मासिक धर्म वाली उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने से रोका जाता था। 2018 का फैसला पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से सुनाया था। इस फैसले के बाद केरल भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तियों और संगठनों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं।

नवंबर 2019 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन पुनर्विचार याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया, लेकिन इस मुद्दे का कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया। न्यायालय ने संकेत दिया कि आवश्यक धार्मिक प्रथाओं और संवैधानिक अधिकारों से संबंधित व्यापक कानूनी प्रश्नों की जांच के लिए एक बड़ी पीठ की आवश्यकता है। नौ न्यायाधीशों की पीठ सात विशिष्ट कानूनी प्रश्नों की जांच करेगी, जिनमें धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा, अनुच्छेद 25 के तहत व्यक्तिगत अधिकारों और अनुच्छेद 26 के तहत धार्मिक संप्रदायों के अधिकारों के बीच परस्पर संबंध, और क्या ये अधिकार अन्य संवैधानिक प्रावधानों के अधीन हैं, शामिल हैं।

भारत युद्धाभ्यास मिलन के लिए तैयार, नौसेना ने तीन देशों के जहाजों का किया स्वागत

विशाखापत्तनम। भारत 'मिलन-2026' नौसैनिक युद्धाभ्यास की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में भारतीय नौसेना ने रविवार को थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के नौसैनिक जहाजों का स्वागत किया। हर दूसरे वर्ष आयोजित होने वाले इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग और सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

भारतीय नौसेना ने किया 'स्वागत' पोस्ट

तीन देशों के नौसैनिक जहाजों के बारे में एक्स पर कई पोस्टों में विवरण साझा करते हुए भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान ने कहा, 'स्वागत है! भारतीय नौसेना रॉयल थाई नौसेना के अपतटीय गश्ती पोत एचटीएमएस क्राबी का विशाखापत्तनम पहुंचने पर स्वागत करती है, जो आईएफआर 2026 इंडिया और मिलन 2026 में भाग लेने के लिए आई है।' ऐसे ही दो अन्य पोस्ट में रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना का फ्रिगेट एचएमएएस वारामुंगा और श्रीलंकाई नौसेना के एसएलएनएस नंदी मित्रा और एसएलएनएस सागरा की भी जानकारी दी।

दो चरणों में होगी नौसैनिक युद्धाभ्यास

भारत के सबसे बड़े नौसैनिक आयोजनों में से एक अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आईएफआर) में मिलन अभ्यास के दौरान इस बार 65 देशों के प्रतिनिधित्व के साथ 19 विदेशी युद्धपोतों सहित 71 जहाजों की भागीदारी देखने को मिलेगी। मिलन अभ्यास 19-20 फरवरी को बंदरगाह चरण में और 21-25 फरवरी को बंगाल की खाड़ी में समुद्री चरण में होगा। गौरतलब है कि आईएनएस विक्रांत पहले ही विशाखापत्तनम पहुंच चुका है और इस भव्य आईएफआर का हिस्सा होगा।

18 फरवरी को राष्ट्रपति द्वारा समुद्र में आईएफआर की समीक्षा की जाएगी। इस कार्यक्रम में कुल 71 जहाज भाग लेंगे, जिन्हें छह श्रेणियों में व्यवस्थित किया गया है, जिनमें 19 विदेशी युद्धपोत और भारतीय नौसेना के 45 जहाज शामिल हैं। शेष जहाजों में तटरक्षक बल, व्यापारिक नौसेना और अनुसंधान पोत शामिल हैं।

1995 में चार देशों के साथ हुई थी शुरुआत

दो चरणों में होने वाले इस नौसैनिक युद्धाभ्यास में अमेरिका, रूस, फ्रांस और जापान सहित कई देशों के साथ संयुक्त अभ्यास होगा। हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी में 25 तटीय देशों के नौसेना प्रमुख शामिल हैं। समुद्री डकैती, आपदा राहत और अवैध गतिविधियों से निपटने के लिए साझा कार्यप्रणाली पर भी चर्चा होगी। बता दें कि मिलान सैन्य अभ्यास, जिसकी शुरुआत 1995 में केवल चार देशों के साथ हुई थी, अब विश्व भर की 65 नौसेनाओं को शामिल कर चुका है।

मंत्री प्रियांक खड़गे का आरएसएस पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप, कहा संगठन पंजीकृत क्यों नहीं

बैंगलुरू। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बीच आरएसएस को लेकर तीखी बहस देखने को मिल रही है। दरअसल प्रियांक खड़गे ने आरएसएस पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया था। इसी पर भाजपा के बी वाई विजयेंद्र ने निशाना साधते हुए कांग्रेस को अपना वजूद संभालने को कहा।

खड़गे ने आरोप लगाया कि आरएसएस 2,500 से ज़्यादा संगठनों का नेटवर्क है... वे उनसे पैसे लेते हैं। मैं बता रहा हूं कि ये लोग मनी लॉन्ड्रिंग में हैं साथ ही पूछा कि संगठन अपंजीकृत क्यों है और क्या यह कानून या संविधान से ऊपर है।

इसी पर जवाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा मंत्री प्रियांक खड़गे, पहले यह पक्का करें कि कांग्रेस पार्टी का पंजीकरण कैंसिल न हो जिसके प्रमुख आपके पिता हैं और जो राजनीतिक नक्षे पर अपना वजूद खोने की कगार पर है उसके बाद ही दूसरों के पंजीकरण की चिंता करें।

आगे क्षेत्रीय विकास को लेकर निशाना साधते हुए वेजयेंद्र ने कहा कि खड़गे परिवार ने कल्याण कर्नाटक को देश में सबसे पिछड़े इलाकों में से एक बनाने के अलावा कुछ नहीं किया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा आरएसएस को गाली देना आसमान पर थूकने जैसा है। आज खड़गे ने अपने बचाव में कल्याण कर्नाटक को लेकर जवाब देते हुए कहा कल्याण कर्नाटक एक पिछड़ा इलाका है। अगर आप समझते कि इस क्षेत्रीय असंतुलन के ऐतिहासिक और भौगोलिक कारण हैं, तो भाजपा की केंद्र सरकार अनुच्छेद 371ट के तहत विशेष राज्या देने से मना नहीं करती।

उन्होंने विजयेंद्र पर भी निशाना साधते हुए कहा क्या आपके पिता बी एस येदियुरप्पा चार बार मुख्यमंत्री नहीं रहे? शिवमोगा को सिंगापुर की तरह विकसित क्यों नहीं किया गया?

हिमाचल में गर्वनर और सरकार में बढ़ा टकराव, शिव प्रताप शुक्ला ने अधूरा छोड़ा अभिभाषण

शिमला। राजभवन और हिमाचल सरकार के बीच बढ़ती दरार को रेखांकित करते हुए एक घटनाक्रम में, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपना निर्धारित पूर्ण राज्यपाल अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। सदन को संक्षिप्त रूप से संबोधित करते हुए राज्यपाल शुक्ला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मुझे इसे पढ़ना चाहिए, और विशेष रूप से यह बताया कि तैयार अभिभाषण में संवैधानिक संस्थाओं पर टिप्पणियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भाषण का शेष भाग मुख्य रूप से राज्य सरकार की उपलब्धियों और उसके भविष्य के रोडमैप से संबंधित है, जिस पर सदन स्वतंत्र रूप से विचार-विमर्श कर सकता

है। राज्यपाल ने सदस्यों को अभिवादन करते हुए अपना संक्षिप्त भाषण समाप्त करने से पहले कहा कि अभिभाषण का शेष भाग सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की उपलब्धियों से संबंधित है, जिन पर मुझे पूरा विश्वास है कि सदन विचार-विमर्श करेगा। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद हिमाचल प्रदेश को मिलने वाले राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को बंद किए जाने को लेकर बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच यह संक्षिप्त भाषण आया है।

आरडीजी का मुद्दा राज्यपाल के तैयार भाषण का प्रमुख विषय रहा, जिसे उन्होंने पढ़ा नहीं। राज्य सरकार के अनुसार, आरडीजी को बंद करने से राज्य के खजाने को सालाना लगभग 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। आरडीजी पहले राज्य के कुल बजट का लगभग 12.7 प्रतिशत था और देश में सबसे अधिक था। गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही राज्य सरकार ने राजस्व घाटा अनुदान को बंद करने के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा कराने के लिए नियम 102 के तहत एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य के अपने संसाधन लगभग 18,000 करोड़ रुपये हैं, जबकि वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान, ऋण चुकौती, सब्सिडी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित प्रतिबद्ध व्यय लगभग 48,000 करोड़ रुपये है। केंद्रीय करों के हस्तांतरण में राज्य का हिस्सा लगभग 13,950 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। लगभग 10,000 करोड़ रुपये के ऋण को शामिल करने के बाद, कुल उपलब्ध संसाधन लगभग 42,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिससे संसाधनों में एक महत्वपूर्ण अंतर रह जाता है। अब तक, इस अंतर को काफी हद तक राजस्व घाटा अनुदान के माध्यम से पूरा किया जाता था। हालांकि, इसके बंद होने के बाद, सरकार ने बजटीय आवंटन को पूरा करने और विकासात्मक गतिविधियों को जारी रखने में गंभीर बाधाओं का हवाला दिया है।

वायु गुणवत्ता सुधार के लिए नवी मुंबई के सभी प्राधिकरण कड़ाई से उपाय लागू करें - आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे

दिव्यांश

नवी मुंबई में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए नगर निगम द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार और अधिक सख्त अमल सुनिश्चित करने के निर्देश नगर आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने विशेष समीक्षा बैठक में दिए।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम क्षेत्र की वायु गुणवत्ता के लिए एमपीसीबी, एमआईडीसी, सिडको, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रेलवे, एमएमआरडीए सहित सभी संबंधित प्राधिकरण जिम्मेदार हैं। इनके द्वारा चल रहे सभी निर्माण स्थलों पर नगर निगम द्वारा जारी मानक कार्यप्रणाली का पालन अनिवार्य है।

वर्तमान में नवी मुंबई में विभिन्न प्राधिकरणों एवं निजी डेवलपर्स द्वारा लगभग 700 से अधिक छोटे-बड़े निर्माण कार्य चल रहे हैं। इन सभी स्थलों की अगले चार दिनों में विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एध्झ का उल्लंघन पाए जाने पर कार्य बंद कराया जाएगा तथा सुधार न होने पर

निर्माण अनुमति रद्द करने की नोटिस जारी की जाएगी।

सभी छोटे-बड़े निर्माण स्थलों पर वायु गुणवत्ता मापक यंत्र लगाना और उसे ऐप से इंटीग्रेट करना अनिवार्य होगा। इन यंत्रों से संबंधित अलर्ट एसएमएस साइट सुपरवाइजर, डेवलपर के साथ-साथ नगर निगम के विभागीय अधिकारियों और पर्यावरण विभाग को भी भेजे जाएं। ये यंत्र महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल से मान्यता प्राप्त अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं से ही खरीदे जाएं, यह भी स्पष्ट किया गया।

महामार्गों पर भारी वाहनों द्वारा ले जाए जा रहे निर्माण सामग्री को पूरी तरह ढककर ले जाना अनिवार्य होगा। साथ ही क्षमता से अधिक सामग्री परिवहन न हो, इसकी नियमित जांच आरटीओ द्वारा की जाए। निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाला मलबा (डेब्रिज) केवल तुर्भे स्थित नगर निगम के सी एंड डी वेस्ट प्लांट में ही वैज्ञानिक प्रक्रिया के लिए भेजा जाए। मलबा ढोने वाले वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम सक्रिय करने और जियो-टैगिंग की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश भी दिए गए।

उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप वायु गुणवत्ता, पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित घटकों को जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश नगर आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने दिए।

साईं मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव

मंत्र भारत। भाईदंर

मुंबई। सरल गीता परिवार की ओर से महाशिवरात्रि महोत्सव मालाड (पश्चिम) स्थित श्री साईं दर्शन मंदिर प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। पं. सुभाष मिश्र के नेतृत्व व अजय भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का लाभ सैकड़ों शिवभक्तों को मिला। संकल्प व पूजन तन्वी- धैरप शाह व गौरांगी-यश बंधवार ने किया। सुनील काबरा व विकास आर. अग्रवाल के संयोजन में संपन्न इस महोत्सव में राजेश मिश्रा, राजाराम माहेश्वरी, नटवर डागा, अनूप व सुनील त्रिवेदी का विशेष सहयोग रहा। शाम के सत्र में प्रसिद्ध गायक कमलेश उपाध्याय हरिपुरी ने भजन संध्या प्रस्तुत कर इस महोत्सव को सुरों से गूंथ दिया। इस अवसर पर गरबा किंग फेम मूसा पाईक ने भी विशेष प्रस्तुति दी। प्रसाद वितरण में चिराग हाथी, नरेश पटेल, जगदीश कपूर, अमर राठौड़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष नरेंद्र खेतान व कन्हैया यादव का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विधायक अतुल भातखलकर, पूर्व प्रभाग समिति

अध्यक्ष विनोद मिश्रा, परमार्थ सेवा समिति के रामविलास माहेश्वरी, राजाराम माहेश्वरी पवन पुरोहित, पवन लाठ, कानाबिहारी अग्रवाल, राजकुमार केडिया, नरेश छावछरिया, दीनदयाल मुरारका, आरयू सिंह, विनोद शेलार, नगरसेवक संजय कांबले, नरेंद्र राठौड़, भरत लिंबाचिया, कल्याणजी जाना, विनय सराफ, विजय भंडारी, गौतम शर्मा, राकेश त्रिपाठी, अल्पा राजेंद्र, दीप्ति सौमपुरा, दरबार चारक, हिम्मत राठौड़, नरेश पटेल, विनोद पांडे, जगदीश कपूर, मनदीप सिंह, राजू शिरशाद, नानू सोढा, चेतन महोविया, मुन्ना मिश्र, धनंजय तिवारी व पत्रकार शिवकुमार तिवारी, राजेश पाण्डेय, गणेश पाण्डेय, संतोष साहू, कामता तिवारी, दिनेश चक्रवर्ती आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वडोदरा मंडल द्वारा ड्रोन आधारित लाइव-लाइन OHE मॉनिटरिंग का सफल परीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा हाल? ही में प्रतापनगर यार्ड में ड्रोन आधारित लाइव-लाइन ओवरहेड इक्विपमेंट मॉनिटरिंग एवं निगरानी प्रणाली का सफल परीक्षण किया गया। वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके के कुशल नेतृत्व में कर्षण वितरण विभाग की यह पहल रेलवे संरक्षा और आधारभूत संरचना की विश्वसनीयता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस उन्नत ड्रोन प्रणाली के माध्यम से बिना रेल यातायात को प्रभावित किए OHE का निरीक्षण किया जा सकता है। ड्रोन में उच्च गुणवत्ता वाला थर्मल कैमरा भी स्थापित है, जो ओवरहीटिंग, ढीले संपर्क, संरेखण (एलाइनमेंट) में त्रुटि तथा अन्य संभावित तकनीकी खामियों का सटीक पता लगाने में सक्षम है।

इस पहल के बारे में वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण वितरण) श्री नलिन लोचन गुप्ता ने बताया कि इस ड्रोन की माइक्रो संचालन सीमा 5 किलोमीटर है और इसका बैटरी

बैकअप लगभग 40 मिनट है। इसमें थर्मल कैमरा सहित लाइव-लाइन मॉनिटरिंग थर्मल इमेजिंग तकनीक के उपयोग से उन दोषों की भी समय रहते पहचान की जा सकेगी, जो सामान्य निरीक्षण में दृष्टिगोचर नहीं होते। इससे OHE पेट्रोलिंग की सटीकता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

यह पहल पश्चिम रेलवे की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके अंतर्गत आधुनिक तकनीकों को अपनाकर संरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। ड्रोन आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली के माध्यम से दोष-मुक्त र्ध्‍ सुनिश्चित करने, मैनुअल निरीक्षण से जुड़े जोखिम को कम करने तथा परिचालन विश्वसनीयता को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। वडोदरा मंडल सुरक्षित, कुशल एवं आधुनिक रेल संचालन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

होली के आगामी त्योहारी मौसम के दौरान यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के बीच चल रही विशेष ट्रेनों के फेरों को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :

1.ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल - इंदौर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल - इंदौर स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी द्वि-साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

3. ट्रेन संख्या 09049/09050 दादर - भुसावल साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09049 दादर - भुसावल स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09050 भुसावल - दादर स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन संख्या 09051/09052 दादर - भुसावल त्रि-साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09051 दादर - भुसावल स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09052 भुसावल - दादर स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

5. ट्रेन संख्या 09005/09006 बांद्रा टर्मिनस - भिवानी साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस - भिवानी स्पेशल को 25 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09006 भिवानी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन संख्या 09057/09058 सूरत - मंगलुरु द्वि-साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09057 सूरत - मंगलुरु स्पेशल को 29 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु - सूरत स्पेशल को 30 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

7. ट्रेन संख्या 09211/09212 गांधीग्राम - बोटाद स्पेशल (दैनिक अनारक्षित)

ट्रेन संख्या 09211 गांधीग्राम - बोटाद स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09212 बोटाद - गांधीग्राम दैनिक स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

8. ट्रेन संख्या 09530/09529 भावनगर - धोला स्पेशल (दैनिक अनारक्षित)

ट्रेन संख्या 09530 भावनगर - धोला स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09529 धोला - भावनगर स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09085, 09086, 09001, 09049, 09051, 09005 तथा 09057 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 17.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सोलापुर मंडल से होकर चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएं होली पर्व एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान जारी रहेंगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ एवं मांग को ध्यान में रखते हुए, रेल द्वारा सोलापुर मंडल से होकर चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएं होली पर्व एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान निम्नानुसार जारी रहेंगीः

साप्ताहिक विशेष ट्रेनें

ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई साप्ताहिक विशेष, जो पूर्व में प्रत्येक मंगलवार को 24.02.2026 तक चलाने हेतु अधिसूचित थी, अब 14.07.2026 तक चलाई जाएगी।

ट्रेन संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई-सोलापुर साप्ताहिक विशेष, जो पूर्व में प्रत्येक बुधवार को 25.02.2026 तक चलाने हेतु अधिसूचित थी, अब 15.07.2026 तक चलाई जाएगी।

ट्रेन संख्या 01477 सोलापुर-अनकापल्ली साप्ताहिक विशेष, जो पूर्व में 27.02.2026 तक चलाने हेतु अधिसूचित थी, अब प्रत्येक शुक्रवार को 10.07.2026 तक चलाई जाएगी।

ट्रेन संख्या 01478 अनकापल्ली-सोलापुर साप्ताहिक विशेष, जो पूर्व में 27.02.2026 तक चलाने हेतु अधिसूचित थी, अब प्रत्येक शनिवार को 11.07.2026 तक चलाई जाएगी।

दैनिक विशेष ट्रेनें

निम्नलिखित दैनिक विशेष ट्रेनें, जो पूर्व में 28.02.2026 तक प्रतिदिन चलाने हेतु अधिसूचित थीं, अब 15.07.2026 तक जारी रहेंगीः

ट्रेन संख्या 01461/01462 सोलापुर-दौंड अनारक्षित दैनिक विशेष। ट्रेन संख्या 01465/01466 सोलापुर-कलबुरगि अनारक्षित दैनिक विशेष। ट्रेन संख्या 01487/01488 हड़पसर-हरंगुल अनारक्षित दैनिक विशेष।

उपरोक्त ट्रेनों के समय, रेक संरचना एवं ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

आरक्षण एवं बुकिंगः

विशेष शुल्क पर चलने वाली इन विशेष ट्रेनों की विस्तारित यात्राओं के लिए आरक्षण सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर उपलब्ध रहेगा। अनारक्षित कोचों के लिए बुकिंग स्टेशन स्थित बुकिंग काउंटरों तथा RailOne ऐप के माध्यम से की जा सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने हेतु वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव संबंधी विस्तृत समय-सारणी के लिए कृपया http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर देखें अथवा RailOne ऐप या NTES ऐप डाउनलोड करें।

शिव जयंती कार्यक्रम के तैयारियो पर महापौर की उपस्थित मे बैठक आयोजित

मंत्र भारत। भाईदंर

16 फरवरी को, मीरा भायंदर मनपा की महापौर डिंपल मेहता की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गयी यह बैठक हर वर्जाष 19 फरवरी को मनाए जाने वाले शिव जयंती कार्यक्रम की प्लानिंग और किले के कंज़र्वेशन की मौजूदा स्थिति, एग्रीमेंट को बढ़ाने के प्रपोज़ल के बारे में एक रिव्यू मीटिंग आयोजित की गयी थी । मीटिंग में उप-महापौर ध्रुवकिशोर पाटिल,नगरसेवक हसमुख गहलोत,अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत, डिप्टी कमिश्नर कविता बोरकर, डिप्टी कमिश्नर प्रणाली घोंगे, सिटी इंजीनियर दीपक खम्बित, म्युनिसिपल सेक्रेटरी दिनेश कंगुडे, जनसंपर्क अधिकारी राज घरात और संबंधित म्युनिसिपल अधिकारी शामिल हुए। घोड़बंदर किला, मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा के अंदर एक ऐतिहासिक धरोहर है। यह आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट का एक राज्य संरक्षित स्मारक है और इसे महाराष्ट्र वैभव स्टेट प्रोटेक्टेड

मॉन्यूमेंट्स कंज़र्वेशन स्कीम के तहत आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने संरक्षण, रखरखाव और मरम्मत के लिए पांच साल का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। यह कॉन्ट्रैक्ट जून 2019 से जून 2024 तक वैलिड था। कॉन्ट्रैक्ट के समय के दौरान, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने किले के संरक्षण, स्ट्रक्चरल मरम्मत, परिसर की सफाई, सुरक्षा उपायों और टूरिज्म के लिए ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं को बनाने पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन ने ऐतिहासिक धरोहरों को बचाने और बढ़ावा देने के लिए लगातार कोशिशें की हैं और किले के परिसर को सुरक्षित, साफ और अच्छी हालत में रखने के लिए कई उपाय किए हैं। यह एग्रीमेंट जून 2024 को खत्म हो गया है और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा किले के आगे के रखरखाव, मेंटेनेंस और डेवलपमेंट के लिए अगले दस सालों के लिए संबंधित आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट को एक प्रपोज़ल दिया गया है। हालांकि, इस प्रपोज़ल को अभी तक मंज़ूरी नहीं मिली है। इस वजह से, किले के इलाके में बिजली की रोशनी और दूसरे डेवलपमेंट के कामों को लागू करने में एडमिनिस्ट्रेटिव रुकावटें आ गई हैं। 19 फरवरी, 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर, घोड़बंदर किले के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए, महापौर

डिंपल मेहता ने संबंधित विभागों को किले के इलाके में बिजली की रोशनी, खास सफाई अभियान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है। घोड़बंदर किला शहर की ऐतिहासिक पहचान का एक अहम हिस्सा है और नगर निगम इसके बचाव और संवर्द्धन के लिए प्रतिबद्ध है। नगर निगम के ज़रिए बताया जा रहा है कि संबंधित आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट से कोऑर्डिनेट करके और ज़रूरी मंज़ूरी लेकर और नियमों और शर्तों का पालन करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मनपा द्वारा 'हिंद-दी-चादर' प्रोग्राम की अलग-अलग इवेंट मे सकारात्मक प्रतिकया

मनपा मीरा-भायंदर और सुबह की प्रभातफेरी आर्ट के संयुक्त कॉम्पिटिशन द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब के त्याग, बहादुरी और बलिदान के संदेश को जन जन तक पहुँचने के उद्देश्य से श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहीदी जयंती, जिसे हिंद-दी-चादर के नाम से जाना जाता है, के मौके पर मीरा-भायंदर मनपा के सभी

मान्यता प्राप्त मनपा शाला और प्राइवेट स्कूलों में पब्लिक अवेयरनेस एक्टिविटीज़ की जा रही हैं। स्टूडेंट्स तक उनके त्याग, बलिदान और भक्ति का मैसेज पहुंचाने के मकसद से ऑर्गनाइज़ किए गए इन प्रोग्राम्स को अध्यापक के साथ-साथ छात्रो के सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रहा है। छात्रो को गुरु तेग बहादुर साहिबजी के जीवन के कामों के बारे में विस्तृत में जानकारी दी जा रही है।छात्रो ने गुरु तेग बहादुर साहिबजी के कामों के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए सुबह की प्रभातफेरी निकाली। इस मौके पर स्टूडेंट्स को उनके जीवन की रोचक घटनाएं सुनाई गईं। स्कूलों में स्टूडेंट्स को गुरु तेग बहादुर साहिबजी के जीवन पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई। मशहूर सिंगर सतिंदर सरताज का गाया हुआ प्रेरणा देने वाला गाना 'हिंद-दी-चादर' स्टूडेंट्स को दिखाया गया। स्कूलों में सुबह जुलूस निकाला गया और नारों के ज़रिए लोगों को जागरूक किया गया। उनके जीवन के कामों पर एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। साथ ही, भाषण कॉम्पिटिशन भी हुए।

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

E-TENDER NOTICE

MSETCL invites online bids (E-Tender) from reputed & registered Electrical contractors on Mahatransco Website **https://srmetender.mahatransco.in** for the following Tender specification. Tender fees Rs.500/- + GST

Sr.No.	Particulars	Description
1	Tender No. & Name of Tender	**RFx No. :- 7000038842** **Tender No.: EE/EHV(O&M)/DN/PNL/e-Tender-2/2026-2027.** RFx E-tender for for Providing ITI certified Operator and Technician in Electrician trade for various substation under EHV (O&M) Dn. Panvel from 01.04.2026 to 31.03.2027. **Tender amount Limited to Rs. 1,41,81,602/-,** **EMD amount Rs. 1,41,816/-**
2	Online Downloading the RFx	**17.02.2026, 18:00 Hrs. to 04.03.2026, 23:59 Hrs.**
3	Online Submission of the RFx	**On or Before 04.03.2026 up to 23:59 Hrs.**
4	Online Opening of the **Techno Commercial RFx**	**05.03.2026 at 11:00 hrs. (if Possible)**

For further details visit our website :- **https://srmetender.mahatransco.in**
Contact Person :- The Dy. Executive Engineer, (O): Mobile No. 9769894505.
Note : All eligible Supplier / Contractors are mandated to get enrolled on SRM E-Tenders (New) portal of MSETCL.

SD/-
Executive Engineer,
E.H.V. (O&M) Dn. Panvel

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.**:– सोला/क.वि./नि/2025/31आर **कार्य का नामः** निम्नलिखित के संबंध में विदयुत टीआरडी का कार्यः– कूर्डूवाडी – लातूर रोड खंड में **1)** ढोकी–औसा रोड के बीच 509/2–3, **2)** औसा रोड–हरंगुल के बीच 517/7–8, **3)** लातूर–लातूर रोड के बीच 551/7–8, **4)** लातूर – लातूर रोड के बीच 552/1–2, **5)** हरंगुल–लातूर के बीच 522/2–3 और कूर्डूवाडी – मिरज खंड में **6)** मोडर्निंब – पंढरपूर के बीच 416/4–5, **7)** पंढरपूर–सांगोला के बीच 414/4–5 पर पैदल यात्री सबवे का प्रावधान। (पुनर्निविदा) **कार्य की अनुमानित लागतः** रू. 92,83,725.08 **बयाना राशिः** रू 1,85,700/– **कार्य पुरा करने की अवधिः**– 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन । **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समयः** दि. 13/03/2026 को 15.00 बजे। ANJ-14

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

अल्पसंख्यक समाज के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस कदम उठाए जाएं

अल्पसंख्यक संस्था दर्जा प्रमाणपत्र मामलों की गहन जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो- उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार के निर्देश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में अल्पसंख्यक समाज के लिए उपलब्ध निधि का वितरण पूर्णतः पारदर्शी, न्यायसंगत एवं समान रूप से प्रत्येक पात्र घटक तक पहुंचाया जाए। साथ ही अल्पसंख्यक विकास विभाग का कार्य अधिक जनोन्मुखी, संवेदनशील एवं समाज के प्रति जवाबदेह बने–इस दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। यह निर्देश उपमुख्यमंत्री एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिन शैक्षणिक संस्थानों को गलत तरीके से अल्पसंख्यक दर्जा प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं, ऐसे सभी मामलों की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार की अध्यक्षता में अल्पसंख्यक विकास विभाग की समीक्षा बैठक सह्याद्री राज्य अतिथि गृह में आयोजित की गई। बैठक में अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव रुचेश जयवंशी, उपमुख्यमंत्री के सचिव

डॉ. राजेश देशमुख, सहसचिव मनोज जाधव, उपसचिव एम. पी. शेनॉय, अवर सचिव सारंगकुमार पाटील, जहांगीर खान, विशाखा आढाव तथा मेघना शिंदे उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सच्चर समिति की सिफारिशों के अनुसार 21 फरवरी 2008 को राज्य में स्वतंत्र अल्पसंख्यक विकास विभाग की स्थापना की गई थी। इस विभाग के माध्यम से शैक्षणिक छात्रवृत्ति, छात्रावास, मौलाना आज़ाद अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल की ऋण योजनाएं, जैन आर्थिक विकास महामंडल की प्रत्यक्ष ऋण एवं ब्याज अनुदान योजनाएं, स्वयं सहायता समूह, कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने बताया कि मौलाना आज़ाद महामंडल की शैक्षणिक ऋण सीमा को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये किया गया है। इस योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक ही पहुंचे, इसके लिए सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए।

सी प्रकार 'डॉ. ज़ाकिर हुसैन मदरसा आधुनिकीकरण योजना' के अंतर्गत आधारभूत सुविधा अनुदान को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। पात्र संस्थाओं का चयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए, ऐसा भी उन्होंने निर्देशित किया।

अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए निर्माणाधीन छात्रावासों को शीघ्र पूर्ण कर उन्हें कार्यान्वित किया जाए। अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए दिए जाने वाले निधि का समान वितरण सुनिश्चित करते हुए कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

नांदेड, सोलापुर एवं मालेगांव में उर्दू भवन कार्यरत हैं, जबकि अन्य प्रस्तावित उर्दू भवनों के कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

विभाग में रिक्त पदों के कारण प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं–इस पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने वक्फ बोर्ड, वक्फ न्यायाधिकरण एवं हज समिति में रिक्त पदों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के आदेश दिए।

छत्रपति संभाजीनगर में नवस्थापित अल्पसंख्यक आयुक्तालय को आवश्यक अधिकारी एवं कर्मचारी उपलब्ध कराकर उसे सशक्त बनाया जाए। साथ ही 'बार्टी' और 'सारथी' की तर्ज पर स्थापित 'माटी' के कार्यों की नियमित समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। अल्पसंख्यक युवाओं में बेरोजगारी को देखते हुए बड़े पैमाने पर कौशल विकास कार्यक्रम संचालित कर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाने के लिए विभाग को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ऐसा उन्होंने कहा। इसके अलावा खारघर, नवी मुंबई में प्रस्तावित 'श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी 350वां शहादत समागम' कार्यक्रम से संबंधित सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी इस अवसर पर दिए गए।

'हिंद-दी-चादर अभियान' के अंतर्गत आठ स्थानों पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों से 1302 नागरिक लाभान्वित

नवी मुंबई। 'हिंद-दी-चादर अभियान' के अंतर्गत Navi Mumbai Municipal Corporation की ओर से शहर के विभिन्न भागों में लगातार स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक कुल 124 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। 10 फरवरी पर आयोजित शिविरों से कुल 1302 नागरिक लाभान्वित हुए, जिनमें महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की संख्या उल्लेखनीय रही।

इन स्वास्थ्य शिविरों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच, मुख कैंसर, स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं

से अब तक आयोजित 42 स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 6434 नागरिकों ने अपनी आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य जांच और उपचार का लाभ लिया है।

आज, 16 फरवरी को राजमाता जिजाऊ अस्पताल, ऐरोली तथा माता बाल अस्पताल, तुर्भे के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में, साथ ही शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेक्टर 48, नेरुल, काटकरिपाड़ा, चिंचपाड़ा, ऐरोली, पावणे और नोसील नाका में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इन आठ स्थानों तथा टीकाकरण किया गया। इसके अलावा, क्षय रोग के उच्च जोखिम वाली महिलाओं की जांच, साथ ही सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग भी की गई।

नगर निगम के इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को उनके निवास स्थान के समीप निःशुल्क और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि समय पर जांच और उपचार के माध्यम से नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सके।

रुद्र - हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' पहल के माध्यम से अकोला रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मचारियों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के उद्देश्य से दिनांक 14.02.2026 को 'रुद्र - हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' पहल के अंतर्गत अकोला रेलवे स्टेशन पर एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल संचालित की जा रही है। इससे कर्मचारियों को उपचार के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम होगी।

इस चिकित्सा शिविर में भुसावल मंडल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम उपस्थित रही। इसमें फिजिशियन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, तथा शल्य चिकित्सक शामिल थे। कुल 111 मरीजों की जांच

की गई। सभी मरीजों की विस्तृत चिकित्सीय जांच की गई तथा आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त प्रयोगशाला जांच एवं आवश्यकता अनुसार ईसीजी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

'रुद्र - हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' पहल का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को उनके कार्यस्थल अथवा निवास स्थान के निकट आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। इस पहल से कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण में सुधार होगा तथा उन्हें उपचार के लिए दूरस्थ स्थानों की यात्रा करने की आवश्यकता में कमी आएगी।

समकालीन दृश्य कलाकार सुश्री आशिमा मेहरोत्रा को बॉम्बे आर्ट सोसाइटी में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे बोर्ड की कार्यकारी निदेशक/विरासत और समकालीन दृश्य कलाकार सुश्री आशिमा मेहरोत्रा ??ने कला जगत और भारतीय रेलवे को गौरवान्वित किया है, क्योंकि उनकी पेंटिंग 'मूव ऑन' को बॉम्बे आर्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित 134वीं अखिल भारतीय वार्षिक कला प्रदर्शनी में पुरस्कार के लिए चुना गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 24 फरवरी, 2026 को शाम 5:00 बजे मुंबई के जहांगीर आर्ट गैलरी में होगा। 'मूव ऑन' पेंटिंग में एक रिक्शा चालक को यात्राओं के बीच विश्राम करते हुए, शांत आत्मनिरीक्षण के क्षण में लीन दिखाया गया है। रिक्शा जीवन की निरंतर गति का प्रतीक है, जबकि स्थिर परिवेश दिनचर्या में गरिमा को दर्शाता है। यह कृति रोजमर्रा की गति के पीछे छिपी अनदेखे आंतरिक जगत की पड़ताल करती है।

बॉम्बे आर्ट सोसाइटी भारत के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित ललित कला संस्थानों में से एक है, जो एक सदी से अधिक समय से कलात्मक प्रतिभाओं के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कई दिग्गज कलाकारों ने अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान इस प्रदर्शनी में अपनी कृतियों का प्रदर्शन किया।

इस वर्ष, देशभर से प्राप्त सैकड़ों प्रविष्टियों में से केवल लगभग 260 कृतियों का चयन किया गया है, जिससे व्यावसायिक श्रेणी का पुरस्कार दृश्य कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय मान्यता के समकक्ष माना जाता है।

इससे पहले, सुश्री मेहरोत्रा ??की कृति 'लापता लेडीज़' का चयन ललित कला अकादमी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए किया गया था - जो समकालीन भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति को समर्पित अकादमी की प्रमुख वार्षिक प्रदर्शनी है। उनका चयन विशेष रूप से उल्लेखनीय था क्योंकि वे इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रदर्शनी में अपनी कलाकृति प्रदर्शित करने वाली दुर्लभ सिविल सेवकों में से एक और रेलवे सेवाओं से पहली सिविल सेवक बनीं। इस कृति की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बारीकियों के लिए व्यापक रूप से सराहना की गई, जिसमें भारतीय सौंदर्यशास्त्र को ब्रह्मांडीय अन्वेषण और आंतरिक चिंतन के साथ मिश्रित किया गया है, जो सार्वजनिक सेवा और रचनात्मक अभ्यास के बीच एक सार्थक संवाद का प्रतीक है।

वर्तमान में रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक/विरासत के रूप में कार्यरत, सुश्री मेहरोत्रा ??का विरासत संरक्षण और समकालीन दृश्य कला में दोहरा योगदान सार्वजनिक सेवा और रचनात्मक अभिव्यक्ति के उल्लेखनीय संगम का उदाहरण है।

चिंतनशील स्टूडियो अनुशासन में निहित, उनकी कलात्मक साधना स्मृति, पहचान और भावनात्मक अनुभव के अंतर्संबंध पर विकसित होती है।

. आकृति और अमूर्तता के बीच सहजता से विचरण करते हुए, वह तेल, चारकोल, ऐक्रेलिक और एनकॉस्टिक जैसे विभिन्न माध्यमों पर काम करती हैं, जिससे परतदार चमकदार सतहें बनती हैं जो नाज़ुकता और मजबूती दोनों को समाहित करती हैं। उनकी पेंटिंग अक्सर महिलाओं के आंतरिक परिदृश्यों - लचीलापन, मौन, साथ और विकास - का अन्वेषण करती हैं, व्यक्तिगत कथाओं को सार्वभौमिक अभिव्यक्तियों में रूपांतरित करती हैं। उनके काम को आधुनिक कला संग्रहालय, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय दूतावासों जैसे वैश्विक संस्थानों से भी मान्यता प्राप्त हुई है। तकनीकी निपुणता और दार्शनिक जिज्ञासा का संयोजन उनकी कला को स्पर्शनीय समृद्धि और ध्यानपूर्ण गहराई प्रदान करता है। भारत के दो सबसे प्रतिष्ठित कला संस्थानों से लगातार मान्यता प्राप्त करने के साथ, सुश्री आशिमा मेहरोत्रा की कलात्मक यात्रा राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रही है, जिससे वह भारत की दृश्य संस्कृति को आकार देने वाली प्रभावशाली समकालीन आवाजों में शामिल हो गई हैं। प्रत्येक सम्मान उनकी कलात्मक दृष्टि की पुष्टि करता है और साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।

एमएमआरडीए का संतुलित बजट : 48,000 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट मंजूर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने इस वर्ष अपना पहला संतुलित बजट प्रस्तुत किया है। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकास कार्यों के लिए 48,000 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि एमएमआरडीए मुंबई के विकास का ग्रोथ इंजन बनता जा रहा है और महानगर क्षेत्र में यातायात कोंडी तथा जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

एमएमआरडीए की 160वीं वार्षिक आम बैठक उपमुख्यमंत्री एवं एमएमआरडीए अध्यक्ष एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता, प्रधान सचिव नवीन सोना, एमएमआरडीए आयुक्त संजय मुखर्जी, अतिरिक्त आयुक्त अश्विन मुदगल, विक्रम कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि नौ वर्षों के बाद पहली बार प्राधिकरण ने 17 लाख

रुपये का संतुलित बजट प्रस्तुत किया है, जो देश की महत्वपूर्ण संस्थाओं में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। बैठक में स्वीकृत बजट का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा सड़कों, मेट्रो, फ्लायओवर, सुरंगों और बाहरी मार्गों जैसे विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा।

एमएमआर क्षेत्र के नागरिकों की जल समस्या को दूर करने के लिए युद्धस्तर पर कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने 'पोशीर' और 'शिलार' बांधों के कार्यों को तत्काल गति देने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में जल संकट से बचा जा सके।

शहर की बढ़ती यातायात कोंडी को दूर करने के लिए बजट में बड़ी व्यवस्था की गई है। एमएमआर क्षेत्र में 337 किलोमीटर के मेट्रो नेटवर्क के साथ-साथ पॉड टैक्सी, बोट टैक्सी, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, फ्लायओवर, भूमिगत सड़कें और अन्य बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। मेट्रो नेटवर्क के लिए 13,838 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें मेट्रो मार्ग 4, 6, 5, 2बी और मार्ग 12 की परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए बीकेसी में पॉड टैक्सी और ठाणे तथा मीरा-भायंदर में बोट टैक्सी सेवा का प्रयोग किया जाएगा। मेट्रो, बस और जल परिवहन को एकीकृत कर यात्रा को अधिक तेज और सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यातायात कोंडी कम करने के लिए डबल डेकर फ्लायओवर, भूमिगत सुरंग परियोजनाएं, कोस्टल रोड और भिवंडी-नाशिक मार्ग पर वैकल्पिक सड़कें विकसित की जा रही हैं। इसके साथ ही यातायात ब्लैकस्पॉट की पहचान के लिए अलग से अध्ययन भी किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने एल्फिन्स्टन ब्रिज का काम गणेशोत्सव से पहले पूरा करने और घोड़बंदर रोड चौड़ीकरण का कार्य एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुंबई को झुग्गी-मुक्त बनाने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। रामाबाई आंबेडकर नगर में 17,000 घरों की परियोजना एमएमआरडीए के माध्यम से चलाई जा रही है। इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए एसआरए को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मुंबई में 17 परियोजनाओं की सूची तैयार की गई है, जबकि ठाणे में पांच भवन परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सड़क, मेट्रो, बांध और एमएमआरडीए की परियोजनाओं के माध्यम से नागरिकों को बेहतर आवास और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनना चाहिए : मंत्री भरत गोगावले

मुंबई। ईंधन की बचत केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सेवा है। अब समय आ गया है कि ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाए, यह प्रतिपादन बागवानी, रोजगार गारंटी योजना एवं नमक भूमि विकास मंत्री Bharat Gogawale ने किया।

वे केंद्र सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मार्गदर्शन में देशभर में संचालित महाराष्ट्र राज्य स्तरीय 'सक्षम 2025-26' अभियान के समापन समारोह में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम मुंबई स्थित Yashwantrao Chavan Centre में आयोजित किया गया।

मंत्री भरत गोगावले ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है और इसे नियंत्रित करने के लिए प्राकृतिक एवं हरित ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देना आवश्यक है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिए प्रत्येक नागरिक को ईंधन संरक्षण का दायित्व निभाना चाहिए।

जन क्षेत्र की कंपनियों की अहम भूमिका

1 से 15 फरवरी 2026 के दौरान संचालित इस अभियान का मुख्य नारा था - 'तेल और गैस बचाएं, हरित ऊर्जा अपनाएं'। इस अभियान का उद्देश्य आम जनता में ईंधन संरक्षण का संदेश फैलाना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम कर पर्यावरण की रक्षा करना तथा विदेशी मुद्रा की बचत करना था। इस अभियान में BPCL, HPCL, Indian Oil Corporation और GAIL India जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

विविध उपक्रमों से जागरूकता

पिछले 15 दिनों में राज्यभर में विविध स्तरों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें साइकिल रैलियां, निबंध प्रतियोगिताएं, चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा वाहन चालकों के लिए विशेष तकनीकी कार्यशालाएं शामिल रहीं। इस अभियान के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों, किसानों और गृहिणियों तक ईंधन बचत की तकनीकों का संदेश पहुंचाया गया।

इस अवसर पर मंत्री भरत गोगावले ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल रहे विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य स्तरीय समन्वयक उमेश कुलकर्णी ने किया। समारोह में बीपीसीएल के थॉमस जेम्स, एचपीसीएल के मुकुंद जावंजल, आईओसीएल के संतोष दैत, गेल इंडिया के मोहम्मद शफी, मुख्य प्रबंधक दीपक वाघ, वरिष्ठ प्रबंधक रितेश जाधव सहित तेल कंपनियों के अधिकारी, ईंधन वितरक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन मुख्य प्रबंधक दीपक वाघ ने किया।

स्वदेशी उद्योगों के साथ प्रौद्योगिकी का एकीकरण होने पर भारत बनेगा विश्व नेतृत्वकर्ता : मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा

मुंबई। स्वदेशी उद्योगों के साथ आधुनिक प्रौद्योगिकी का एकीकरण होने पर भारत विश्व स्तर पर नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री Narendra Modi के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह विचार कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विकास मंत्री Mangalprabhat Lodhi ने व्यक्त किए।

महाराष्ट्र में उद्योग समूहों और लघु उद्योगों के लिए उपयोगी देश की पहली कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जीवंत प्रयोगशाला का शुभारंभ किया गया। इस प्रयोगशाला का उद्घाटन Maharashtra State Ratan Tata Skill University के मुख्यालय में जर्मनी की संसदीय राज्य मंत्री BäRel Koffler की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह अभिनव पहल जर्मनी के सहयोग से शुरू की गई है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के केंद्रीय सभागार में जीवंत प्रयोगशाला से संबंधित विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में राज्य के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, कौशल विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा वर्मा, कुलपति डॉ. अपूर्व पालकर, जर्मनी के वाणिज्य दूत क्रिस्टोफ हेलिर, जर्मन विकास सहयोग संस्था के निदेशक उल्कारे एबलिंग, कौशल विकास आयुक्त अमित सैनी तथा व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संचालनालय की निदेशक माधवी सरदेशमुख सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने कहा कि प्राचीन भारत में भी उन्नत प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग होता था और छोटे उद्योगों के बल पर भारत एक समृद्ध वैश्विक व्यापारिक राष्ट्र था। स्वदेशी की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक महामारी के समय 75 से अधिक देशों को स्वदेशी टीके उपलब्ध कराकर विश्व के समक्ष मानवीय सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत किया। अब स्वदेशी उद्योगों को आधुनिक प्रौद्योगिकी से सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। जर्मनी के सहयोग से शुरू की गई यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवंत प्रयोगशाला उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री Devendra Fadnavis के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य को प्रगति के शिखर तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में कौशल विभाग की विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की जा रही हैं, जिससे युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

जर्मनी की संसदीय राज्य मंत्री डॉ. बारबेल कॉफलर ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव भविष्य को आकार देने वाली महत्वपूर्ण शक्ति बन चुकी है। यदि इसका समुचित और जिम्मेदार उपयोग किया जाए, तो विज्ञान, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और दैनिक जीवन की अनेक जटिल समस्याओं का समाधान संभव है। इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है और लाखों विशेषज्ञ कार्यरत हैं।

राज्य के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक नई औद्योगिक क्रांति के समान है, जो अब केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। यह अर्थव्यवस्था की संरचना और कार्य संस्कृति में मूलभूत परिवर्तन ला रही है, और नई पीढ़ी इसमें व्यापक संभावनाएं देख रही है।

कुलपति डॉ. अपूर्व पालकर ने बताया कि इस जीवंत प्रयोगशाला की संकल्पना के माध्यम से विद्यार्थी, प्राध्यापक और उद्योग विशेषज्ञ एक साथ मिलकर वास्तविक औद्योगिक चुनौतियों की पहचान करेंगे और उनके व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करेंगे। वर्तमान में जर्मनी की पांच कंपनियां इस पहल से जुड़ी हुई हैं। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की कई औद्योगिक कंपनियों ने भी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग के लिए समझौते किए हैं।

सम्पादकीय

जजों के खिलाफ 10 साल में 8,600 से अधिक शिकायतें, क्या है न्यायपालिका का 'इन-हाउस' जांच तंत्र

न्यायपालिका लोकतंत्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्तंभ होता है, जो कानून के शासन को बनाए रखने और संविधान की मौलिकता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है। भारत में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर कहा जाता है, जहां विवादों का निस्तारण कर नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है।

यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है।

दरअसल, लोकतंत्र में न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्षता, पारदर्शिता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करेगी। नागरिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायपालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, इसलिए वह जनता के लिए साहस और आत्मविश्वास का स्रोत भी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी इसकी भूमिका अहम है।

आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है और यह तभी संभव हो पाता है, जब न्यायिक अधिकारियों का आचरण पूरी तरह पाक-साफ हो। इसमें दोराय नहीं कि विधायिका और कार्यपालिका की तुलना में आम नागरिक न्यायपालिका पर अधिक निर्भर रहते हैं, क्योंकि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा होता है। न्यायिक प्रक्रिया भी तभी निष्पक्ष और निर्भीक हो सकती है, जब वह किसी भी तरह के अनुचित हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त हो।

नियमानुसार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा न्यायपालिका द्वारा 'आंतरिक तंत्र' के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दो प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनके तहत शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अनुपालन के लिए कुछ मानक और सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। इनका पालन न होने पर आंतरिक प्रक्रिया के तहत संबंधित न्यायिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। मगर, न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतें बढ़ने का क्रम यह दर्शाता है कि आंतरिक जांच प्रक्रिया या तो धीमी है या फिर उसमें कोई बाधा उत्पन्न हो रही है। न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं, लेकिन उनकी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय सीमा का अभाव नजर आता है।

पिछले वर्ष मार्च में सामने आए एक न्यायाधीश के दिल्ली स्थित आवास पर जले हुए नोटों की गड्डी मिलने के मामले में अब तक कोई खास प्रगति न होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर यह मामला किसी प्रशासनिक अधिकारी या आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच प्रक्रिया अब तक काफी आगे पहुंच गई होती। इस स्थिति के पीछे उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मामलों में जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया का जटिल ढांचा भी एक बड़ा कारण है, जिसे सरल एवं स्पष्ट बनाए जाने की जरूरत है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों का भरोसा कायम रहे।

राजधानी दिल्ली में गुमशुदगी को लेकर दावे बहुत भरोसा कम, सीसीटीवी नहीं बन रहे मददगार

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश भर में लोगों के बड़ी संख्या में लापता होने का संकट बढ़ता जा रहा है। यह समूची व्यवस्था के लिए एक बड़ी चेतावनी है। इस मामले में दिल्ली जिसे देश की सत्ता, कानून और सुरक्षा का सबसे मजबूत प्रतीक माना जाता है, वह इस वर्ष की शुरुआत से ही गंभीर संकट का सामना कर रही है। जनवरी माह के पहले पखवाड़े में ही यहां आठ सौ से अधिक लोगों के लापता हो जाने की खबरों को सामान्य नहीं माना जा सकता, बल्कि यह उस भयावहता का दस्तावेज है, जिसे हम प्रायः 'शहरी जीवन की आपाधापी' कहकर नजरअंदाज कर देते हैं। ये आंकड़े सीधे-सीधे बताते हैं कि दिल्ली में हर रोज औसतन पचास से अधिक लोग ऐसे गायब हो रहे हैं, जिनका कोई सुराग, जांच की दिशा या ठोस जवाब फिलहाल व्यवस्था के पास नहीं है। यह मानवीय संकट देशव्यापी है, मगर दिल्ली में समस्या इसलिए गहरा गई है, क्योंकि यहां गुमशुदगी के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी के पहले पखवाड़े में यहां गुमशुदगी के 807 मामले दर्ज किए गए, जिनमें लगभग 63 फीसद महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं। यह आंकड़ा अपने आप में एक गहरे सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। देश की राजधानी में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को लेकर वर्षों से जो दावे किए जाते रहे हैं, वे इन आंकड़ों के सामने बिखरते नजर आते हैं। यह केवल अपराध का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस असुरक्षा की भावना का सवाल है, जो हर उस परिवार को भीतर से तोड़ रही है, जिनका कोई सदस्य अचानक गायब हो गया। लापता होने वाले लोगों के परिवारों को एक ऐसे इंतजार में डाल दिया गया है, जो उनके लिए दिन-ब-दिन असहनीय होता जा रहा है।

यह स्थिति तब और भयावह हो जाती है, जब हम लापता होने वाले लोगों की संख्या में नाबालिगों के आंकड़ों पर नजर डालते हैं। दिल्ली में महज पंद्रह दिनों की अवधि में 190 से अधिक बच्चे लापता हुए, जिनमें अधिकांश लड़कियां हैं। किशोर वर्ग (12 से 18 वर्ष) सबसे अधिक जोखिम में दिखाई देता है। ये घटनाएं कोई संयोग नहीं हो सकतीं, क्योंकि इनमें एक विशेष स्वरूप नजर आता है, जिसके पीछे कोई न कोई संगठित या प्रणालीगत कारण हो सकता है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने भी देश भर में बच्चों के लापता होने पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र से कहा है कि ऐसे मामलों के राष्ट्रीय स्तर पर राज्यवार एकीकृत आंकड़े संकलित कर उनका विश्लेषण किया जाए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इसके पीछे संगठित गिरोहों का हाथ तो नहीं।

दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, दो सप्ताह की अवधि में लापता हुए लोगों में से कुछ को ढूंढ़ लिया गया, जबकि बाकी की तलाश जारी है। ऐसे में यह मान लेना उचित नहीं होगा कि ये सभी मामले घर से भागने, पारिवारिक विवाद या किसी भ्रम का परिणाम हैं। हकीकत यह है कि दिल्ली जैसे महानगर में मानव तस्करी, जबरन श्रम, यौन शोषण, अवैध तरीके से गोद लेने और संगठित अपराध के तंत्र लंबे समय से सक्रिय हैं। नाबालिग बच्चों तथा कमजोर आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति वाले लोगों को भावनात्मक असुरक्षा और डिजिटल माध्यमों के जरिये फैलाया गया झूठा भरोसा कई बार गुमराह कर देता है।

महिलाओं के मामले में घरेलू हिंसा, जबरन विवाह, आर्थिक शोषण, झूठे रोजगार के वादे और संगठित अपराध, ये सभी कारण उनके लापता होने से जुड़े हो सकते हैं। हो सकता है कि कुछ मामलों में महिलाएं खुद घर से चली जाएं, लेकिन अधिकांश मामलों में उनका गायब होना किसी न किसी रूप में अपराध से जुड़ा हो सकता है, जिसकी तह तक पहुंचना व्यवस्था के लिए अब भी एक बड़ी चुनौती है। यदि हम वर्तमान संकट को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो तस्वीर और भी डरावनी हो जाती है।

वर्ष 2025 में दिल्ली में 24 हजार से ज्यादा लोग लापता हुए थे, जिनमें साठ फीसद से अधिक महिलाएं थी। पिछले दस वर्षों में यहां दो लाख से ज्यादा लोग लापता हुए हैं और इनमें से करीब 52 हजार लोगों का आज तक कोई पता नहीं चल सका है। यह आंकड़ा किसी युद्ध या प्राकृतिक आपदा से कम भयावह नहीं है। अगर देश भर की बात की जाए तो चौंकाने वाली तस्वीर सामने आती है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की लापता बच्चों की जानकारी देने वाली वेबसाइट के वर्ष 2019 के आंकड़ों के अनुसार, देश में औसतन हर दस मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है।

यहां सवाल केवल पुलिस की कार्यक्षमता का नहीं है, बल्कि पूरे शहरी तंत्र का है। दिल्ली पुलिस हर बार यही कहती है कि तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है और अंतरराज्यीय समन्वय किया जा रहा है। 'जिपनेट' (जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क) जैसे डेटाबेस मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य ही लापता लोगों का जल्द पता लगाना है। इसके बावजूद हजारों मामले वर्षों तक अनसुलझे पड़े रहते हैं। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल संसाधनों की नहीं, प्राथमिकताओं, जवाबदेही और संवेदनशीलता की भी है।

शहरों का तेजी से फैलता आकार, झुग्गी-बस्तियों की अनदेखी, प्रवासी आबादी की अस्थिरता और सामाजिक निगरानी की कमी, ये सभी कारक मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं, जहां किसी का लापता हो जाना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। डिजिटल युग में जहां ज्यादातर लोगों के हाथ में स्मार्टफोन है, वहीं डिजिटल धोखाधड़ी, फर्जी पहचान और आनलाइन प्रलोभन के जरिए अपराध भी पहले से कहीं अधिक संगठित हो चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि समाज इस स्थिति को धीरे-धीरे 'सामान्य' मानने लगा है। यह संकट इस बात को भी उजागर करता है कि सुरक्षा के नाम पर जगह-जगह लगाए गए सीसीटीवी, हेल्पलाइन और अभियानों की जमीनी सच्चाई क्या है। तकनीक तभी कारगर होती है, जब उसके पीछे तेज, संवेदनशील और जवाबदेह कार्रवाई हो। किसी व्यक्ति के लापता होने के शुरुआती 24 से 72 घंटे सबसे अहम होते हैं, लेकिन शिकायत दर्ज करने में देरी, लापरवाही या मामलों को गंभीरता से न लेने की शिकायतें अक्सर सामने आती रहती हैं। जब तक हर गुमशुदगी को संभावित अपराध मानकर तुरंत कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक लापता होने के आंकड़े यों ही बढ़ते रहेंगे। लोगों के लापता होने का जो संकट बढ़ रहा है, वह एक ऐसे तंत्र की सामूहिक विफलता है, जिसने कमजोर, असहाय और जोखिम में खड़े लोगों को हाशिये पर छोड़ दिया है। यह संकट साफ चेतावनी देता है कि यदि महिलाओं, बच्चों और समाज के सबसे कमजोर वर्गों की सुरक्षा को लेकर ईमानदार मंशा, त्वरित कार्रवाई और ठोस जवाबदेही तय नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में ये आंकड़े और भी डरावने रूप में हमारे सामने होंगे। विकास का कोई भी माडल तब तक अधूरा है, जब तक उसमें इंसान की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित न हो। अब वक्त आ गया है कि हम गुमशुदगी को 'सामान्य खबर' मानने की आदत छोड़ें और हर लापता चेहरे को एक चेतावनी के रूप लें। अन्यथा हर नया साल इसी तरह लापता होती उम्मीदों, टूटते परिवारों और अनगिनत अनुत्तरित सवालों के साथ शुरू होता रहेगा।

दान का सुख, बेईमानी की बेड़ियां और जीवन का सच, स्वर्ग-नरक यहीं बसते हैं

ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं।

सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा हैष्ठ हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है। परमार्थ के आने के वीडियो हम सब देखते हैं।

कुछ लोग अपनी लघु फिल्मों के माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना की दिशा में लगे हुए हैं। यह सारे कार्य हृदय को प्रसन्नता से भर देते हैं। जो इसे देखता है प्रसन्न होता है। कुछ संदेश ग्रहण करता है। फिल्म बनाने वाले को भी संतोष होता है कि उसने एक नेक काम किया। श्रेष्ठ साहित्य की रचना करके भी सुख की अनुभूति होती है। कहने का मतलब यह है कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। श्रेष्ठ कर्म स्वर्ग है और निकृष्ट कर्म नरक। जो विवेकवान हैं, वे इस मर्म को समझते हैं। जो जानबूझकर भी अनजान बने रहते हैं, उनके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

आभासी दुनिया का भटकाव और वास्तविक जीवन से पलायन, क्यों कमजोर हो रहा है बालमन?

किसी भी समाज के लिए इससे भयावह कुछ नहीं हो सकता कि बच्चे हंसते हुए बड़ी सहजता से जीवन का साथ छोड़ने लगें। कुछ समय पहले नोएडा में सत्रह साल के एक किशोर ने पंद्रहवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले सीसीटीवी फुटेज में वह बच्चा लिफ्ट से ऊपर जाते हुए 'विक्ट्री साइन' यानी जीतने का भाव दर्शाता दिखा। उसने अपनी मां को संदेश भेजकर खुदकुशी जैसा कदम उठाने और अभिभावकों को पीड़ा देने के लिए क्षमा भी मांगी। यह व्यवहार हर संवेदनशील व्यक्ति को भयभीत करने वाला है। साथ ही यह बाल मनोविज्ञान को लेकर बहुत से प्रश्न भी उठाता है। आखिर मौत को चुनने में एक बच्चे को अपनी जीत क्यों दिख रही है? इस ऊर्जावान उम्र में वह जीवन से हारकर किससे जीत रहा है?

कुछ समय पहले अहमदाबाद के एक स्कूल में सोलह वर्ष की बच्ची हंसते हुए अपनी कक्षा से बाहर निकली और हाथ में चाबी का गुच्छा घुमाते हुए बड़ी सहजता से उसने स्कूल की चौथी मंजिल से अचानक छलांग लगा दी। इस तरह की कई घटनाएं सामने आईं, जो बताती हैं कि नई पीढ़ी को समझने और समझाने में कहीं तो चूक हो रही है। ऐसा कौन-सा दबाव है कि मौत उन्हें मुक्ति का मार्ग लगने लगती है। हंसने-खिलखिलाने की उम्र में किन बातों का तनाव आ घेरता है कि बच्चे जिंदगी से पलायन करने की राह चुनते हैं? सबसे बड़ी चिंता यह है कि उनकी उलझन व्यवहार और विचार की सतह पर नहीं दिखती। समय रहते हल खोजा जाए, इसका अवसर ही नहीं मिलता। बहुत से माता-पिता जीवन भर यह नहीं समझ पाते कि बच्चे ने खुदकुशी का रास्ता आखिर चुना ही क्यों!

निस्संदेह, बच्चों के जीवन का अंत करने की मानसिकता का दायरा फैलना समग्र समाज को चिंता में डालने वाला है। आत्महत्या के ऐसे मामले आक्रोश में जिंदगी का साथ छोड़ने वाला कदम उठा लेने वाली घटनाओं से बिल्कुल अलग हैं। बच्चों का सोच-समझकर माता-पिता के लिए संदेश लिखकर, संयत दिखते हुए अपनी जान देना पारिवारिक परिवेश से लेकर शैक्षणिक और सामाजिक हालात तक, सभी को कठघरे में खड़ा करता है। यहां जरा ठहरकर बच्चों के बदलते मनोविज्ञान को समझने और आंकड़ों से परे गहराई से बड़े होते बच्चों की अनुभूतियों को समझने की आवश्यकता है। बच्चों का यह अप्रत्याशित व्यवहार हर किसी को असहज करने वाला है।

इन घटनाओं से जुड़े सवाल अभिभावकों के मन को उम्र भर कचोटते हैं। कई लोगों को किसी मासूम बच्चे द्वारा ऐसा अतिवादी कदम उठा लेने के बाद भी ऐसे वाकये अविश्वसनीय से लगते हैं। यही कारण है कि इन घटनाओं के पीछे छिपे कारण स्पष्ट रूप से समझना भी मुश्किल होता जा रहा है। अभिभावक हों या शिक्षक, बच्चों के मन की थाह लेना सचमुच बहुत कठिन हो गया है।

देखने में आता है कि बच्चों के बौद्धिक विकास को अहम मानने वाले सामाजिक-पारिवारिक माहौल में उन्हें भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने को लेकर नहीं सोचा जाता। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि स्कूल परिसर हो या आस-पड़ोस का परिवेश, बच्चों को मानसिक और भावनात्मक रूप से सबल बनाना आवश्यक है। कम से कम अपने मन की कुंठा, तनाव या किसी के व्यवहार से उपजी शिकायतों को अभिभावकों से साझा करना हर बच्चे को सिखाया जाए। कड़ी प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चे असहाय महसूस करने लगे हैं। अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ तो दूसरी ओर चमक-दमक भरी आभासी दुनिया का भटकाव। आभासी संसार से जुड़े खेल तक जान देने का कारण बन गए हैं।

विचारणीय है कि हर ओर से अपने हिस्से आ रहे मानसिक दबाव के कारण बच्चे जाने-अनजाने अवसाद और अकेलेपन से घिर जाते हैं। साथ ही सोशल मीडिया की छवि से लेकर आम जीवन, हमउम्र बच्चों से तुलना और दबाव की स्थितियां छोटे-छोटे बच्चों के मन को अनगिनत उलझनों के घेरे में ला रही हैं। एक आंकड़े के मुताबिक, 2019-2023 के बीच ऐसी घटनाओं में 34.4 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है। असल में भावनात्मक बोझ उठाता बालमन आज कई परेशानियों के बीच बड़ा हो रहा है। अभिभावकों के अलगाव से लेकर पारिवारिक समस्याओं और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने से लेकर जीवन से जुड़े हर पहलू पर दबाव झेलना अब बहुत से बच्चों की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। पीछे छोड़े आत्महत्या नोट में इस तरह के दबाव और तनाव की स्थितियों का खुलासा होता है। कैसी विडंबना है कि आत्महत्या जैसा कदम उठाने से पहले कोई बच्चा मन की बात नहीं बता पाता है, तो किसी बच्चे की उलझती मनःस्थिति को समझने में बड़ों से चूक हो जाती है। बीते कुछ वर्षों से अभिभावक, शिक्षक, बच्चों के मन को समझने का प्रयास करते हैं। सहयोगी रवैया अपनाते हैं। अंकों की दौड़ में आगे रहने से कहीं ज्यादा जीवन सहेजने का भाव बड़ों में भी आया है। इसके बावजूद खुलेपन, आभासी संसार की मौजूदगी और मानसिक मोर्चे पर बिखराव के कारण बच्चों में आत्मघाती विचार जड़ें जमा रहे हैं। तकनीक के भंवर में उलझे बच्चे भावनात्मक रूप से अस्वस्थ भी हो रहे हैं। बुनियादी रूप से उनकी मनःस्थिति वास्तविक जीवन को समझने से दूर हुई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, पांच में से एक बच्चा मानसिक रूप से कमजोर है। भावनात्मक दुर्बलता और अति संवेदनशीलता बच्चों को असुरक्षा, भय, अवसाद, आत्म-अभिव्यक्ति की असमर्थता और आत्मविश्वास की कमी का शिकार बना देती है। समझना आवश्यक है भावनात्मक असंतुलन का बच्चों को घेरती किसी बुरी आदत या लत से सीधा संबंध होता है। इनका जाल भी कई बार आत्मघात के हालात बना देता है। ऐसे में संस्थागत, पारिवारिक और सामाजिक- हर पहलू पर बालमन को समझने के प्रयास आवश्यक हैं। बच्चों मे बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए बड़ों का सजग और बालमन का आत्म-जागरूक होना जरूरी है।

लंबी यात्राएं छोटी हुईं लेकिन गंतव्य और धुंधला हो गया

आज के दौर का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि आदमी ने रोशनी की रफ्तार से भागना सीख लिया है, पर वह पहुंच कहां रहा है, यह पूछने की जहमत कोई नहीं उठाता। पुराने जमाने में जब बैलगाड़ियां पगडंडियों पर रेंगती थीं, तब लोगों के पास एक-दूसरे के दुख-सुख बांचने की असीम फुरसत थी। आज की चमचमाती सड़कों पर फर्राटा भरते वाहन दूरियों को निगल चुके हैं, फिर भी हर चेहरे पर एक अजीब हताशा है, जैसे कोई अदृश्य दैत्य उनकी घड़ियों की सुइयां चुरा ले गया हो। यह आधुनिकता का वह तिलिस्म है, जहां यात्राएं छोटी हो गईं, पर गंतव्य और धुंधला होता गया। यह विकास की वह ऊंचाई है, जहां आक्सीजन तो भरपूर है, पर आदमी को सांस लेने की मोहलत नहीं है।

इतिहास गवाह है कि कभी संयुक्त परिवारों की चौपालों पर बारह-पंद्रह लोगों की बैठकें जमती थीं और किस्से खत्म होने का नाम नहीं लेते थे। आज के 'स्मार्ट' दौर में घर संकुचित होकर दो कमरों के फ्लैट में सिमट गए हैं, फिर भी सन्नाटा ऐसा कि दीवारें भी आपस में बात नहीं करतीं।

यह विडंबना ही है कि जब संदेश भेजने के लिए कबूतरों या डाकियों का इंतजार होता था, तब रिश्तों में गर्माहट थी। अब जब पलक झपकते ही खबर दुनिया के दूसरे कोने तक पहुंच जाती है, तब दिलों की दूरी मीलों लंबी हो गई है।

तकनीक ने हमें वह 'जादुई आईना' तो दे दिया, जिसमें हम सात समंदर पार का चेहरा देख सकते हैं, लेकिन बगल की कुर्सी पर बैठे इंसान की खामोश चीख सुनने की फुरसत का एक भी लम्हा हमारे पास शेष नहीं रहा।

आज के नवयुवक, जो अपनी अंगुलियों पर पूरी दुनिया नचाने का दावा करते हैं, उनकी कार्यकुशलता देखकर साक्षात विधाता भी चकरा जाएं। एक हाथ से तेज रफ्तार गाड़ी का नियंत्रण और दूसरे हाथ से आभासी दुनिया की खिड़कियों पर अंगुली चलाना- यह कोई करतब नहीं, बल्कि उस 'तनाव' का प्रमाण है, जो आज की मुद्रा बन चुका है।

सड़क के जाम में फंसे लोग जब अपनी निजी लेन बनाने की कोशिश में दूसरों को कुचलने पर उतारू होते हैं, तो लगता है, जैसे वे किसी गंभीर शोध कार्य के अंतिम चरण में हों। असलियत में वे बस उस काल्पनिक दौड़ का हिस्सा हैं, जिसका कोई 'अंतिम बिंदु' नहीं है। उनकी व्यस्तता उस गुब्बारे की तरह है, जो फूला तो बहुत है, पर अंदर सिर्फ खाली हवा है।

पुराने समय में बैंक के बाहर कतारों में खड़े होकर लोग गांव-जवार की राजनीति से लेकर मानसून तक की चर्चा कर लेते थे। अब जब सब कुछ जेब में रखे उस काले शीशे के टुकड़े में समा गया है, तब इंसान के पास खुद से बात करने का भी अवसर नहीं बचा।

शरीर को साधने की क्रियाओं के लिए जहां वक्त का अकाल पड़ा है, वहीं स्क्रीन पर नाचती हुई मनोरंजन की दुनिया के लिए रातों की नींद कुर्बान है।

माता-पिता का हाल जानने के लिए जब कंठ सूखने लगता है, तब उसे 'व्यस्तता' का नाम दे दिया जाता है, लेकिन उसी वक्त किसी बेतुकी बहस या निरर्थक वीडियो के लिए घंटों की उपलब्धता एक रहस्यमयी पहेली बन जाती है। यह समय का वह असंतुलन है, जिसे ब्रह्मांड का कोई भी गणितज्ञ नहीं सुलझा सकता। हमने दुनिया को तो मुट्ठी में कर लिया, पर अपनी रूह को ही कहीं छोड़ आए।

भीड़ में रहकर भी खुद को एकांत में समझना और अकेले होने पर शोर की तलाश करना- यह आज की पीढ़ी का स्थायी भाव है। मित्रों के साथ कैफे में बैठे युवक-युवतियों को देखा जा सकता है, उनके शरीर वहां मौजूद हैं, पर चेतना कहीं और 'लाग-इन' है। प्रकृति की गोद में बैठने या किताबों के पन्नों में खो जाने की जगह अब रंगीन तस्वीरों की चमक ने ले ली है। जिस सुकून को पाने के लिए इंसान ने इतनी भाग-दौड़ की, वह उसी दौड़ की भेंट चढ़ गया। यह उस उपभोक्तावादी संस्कृति का चरमोत्कर्ष है, जहां हमें 'खालीपन' से डर लगता है।

हम खाना खाते समय भी स्वाद का अनुभव नहीं करते, बल्कि यह देखते हैं कि प्लेट की तस्वीर कितनी लुभावनी आई है। नींद की कमी और मानसिक तनाव का रोना रोने वाला समाज दरअसल उसी 'डिजिटल नशे' की गिरफ्त में है, जो उसे यह एहसास दिलाता है कि वह बहुत महत्त्वपूर्ण काम कर रहा है, जबकि वह सिर्फ एक चक्रव्यूह में गोल-गोल घूम रहा है।

सच तो यह है कि दुनिया जितनी करीब आई, इंसान उतना ही खुद से बिछुड़ गया। तकनीक ने हमें पंख तो दिए, पर आसमान छीन लिया। हम अपनी व्यस्तता का ढिंढोरा इसलिए पीटते हैं, ताकि हमें अपनी तन्हाई का चेहरा न देखना पड़े। जब तक हम उस छोटी-सी स्क्रीन से बाहर नहीं निकलेंगे, हम समय के उस महासागर को कभी नहीं देख पाएंगे जो हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। जीवन भागने में नहीं, बल्कि ठहरकर उस ठहराव को महसूस करने में है।

डीएम ने तहसील मेजा पहुंचकर तहसील परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया

जिलाधिकारी ने अभिलेखों को व्यवस्थित ढंग से रखे जाने के लिए दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

मेजा प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को तहसील मेजा पहुंचकर तहसील परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिये हैं। उन्होंने तहसील परिसर में स्थित उपजिलाधिकारी, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार के कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों एवं पटल का भ्रमण कर प्रशासनिक कार्यों, अभिलेखों का रख-रखाव, पत्राचार, पुराने प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति, जनसुनवाई व्यवस्था और कार्मिकों की कार्यप्रणाली की जांच करते हुए आवश्यक निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी के द्वारा मेजा तहसील में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कोर्ट सहित अन्य कक्षों में फाइलों का अच्छा रख-रखाव नहीं होने तथा सभी कोर्ट में धारा-38 एवं अन्य धाराओं से सम्बंधित पत्रावलियों के अत्यधिक संख्या में लम्बित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व अन्य अधिकारियों को पुराने समय से लम्बित सभी प्रकरणों में नियमित सुनवाई करते हुए इन्हें प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 5 वर्ष व 3 वर्ष से से अधिक समय से लम्बित कई पुरानी फाइलों को निकलवाकर उनके सुनवाई तथा निस्तारण की स्थिति को देखा एवं सम्बंधित प्रकरणों को एक साथ सूचीबद्ध करते हुए नियमित सुनवाई पर लगाकर प्रकरणों को प्राथमिकता पर जल्द से जल्द

निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी फाइलों को रजिस्टर में अवश्य दर्ज करने एवं लम्बित तथा निस्तारित प्रकरणों की फाइलों को अलग-अलग कर सभी को सुव्यवस्थित ढंग से रखे जाने के लिए कहा। उन्होंने अंश निर्धारण, वरासत, धारा-32/38, धारा-24 आदि से सम्बंधित अविवादित प्रकरणों में सम्बंधित पक्षों की सुनवाई करते हुए तत्काल निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया है।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से उनसे सम्बंधित कार्यों के बारे में जानकारी ली और सभी सम्बंधित अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपजिलाधिकारी मेजा से सभी पुराने लम्बित प्रकरणों को नियमित सुनवाई करते हुए प्राथमिकता पर निस्तारित करने के लिए कहा है। उन्होंने कार्यालयी अनुशासन और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन की सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से यथोचित निर्णय लेते हुए प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने तहसील परिसर में पेयजल व साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने अभिलेखागार, संग्रह अनुभाग सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने अभिलेखागार में ग्राम बिसहिजन खुर्द के बस्ते को खुलवाकर देखा, जिसमें बस्ता लिस्ट नहीं पायी गयी तथा उचित रख-रखाव के अभाव में वर्षवार खसरा, खतौनी, 41 एवं 45 अभिलेख सहित अन्य अभिलेख अत्यधिक कटे-फटे अवस्था में पाये गये, जिसपर जिलाधिकारी ने पुराने अभिलेखों को व्यवस्थित करते हुए उनकी टेपिंग/बाइडिंग कराकर उन्हें सुरक्षित ढंग से रखे जाने के लिए निर्देश दिए है। उन्होंने सभी पटल सहायकों को समय से उपस्थित होने तथा उनसे सम्बंधित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयसीमा में निस्तारित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान तहसील में अधिवक्ताओं के द्वारा एसीपी कार्यालय के तहसील परिसर से दूर होने के कारण उनका न्यायालय तहसील परिसर में ही स्थापित किए जाने की मांग की गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने मांग पर विचार हेतु पुलिस आयुक्त महोदय को पत्र प्रेषित किए जाने के लिए कहा है।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मेजा सुरेन्द्र यादव, जिला विकास अधिकारी जी0पी0 कुशवाहा, तहसीलदार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मेले में दर्शन के दौरान महिला की सोने की चेन पार

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। पाण्डेश्वर नाथ धाम में चल रहे मेले के दौरान दर्शन करने आई एक महिला की सोने की चेन अज्ञात चोर उड़ा ले गए। घटना से मेले में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार जनपद प्रतापगढ़ के थाना रानीगंज क्षेत्र अंतर्गत गांव सिंघई निवासी निशा गुप्ता पत्नी अजय गुप्ता परिवार के साथ पाण्डेश्वर नाथ धाम में दर्शन करने आई थीं। बताया गया कि जब वह मंदिर के गर्भगृह में दर्शन कर रही थीं, तभी भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने उनके गले से सोने की चेन पार कर दी।दर्शन के बाद महिला को चेन गायब होने की जानकारी हुई। परिजनों ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद घटना की सूचना मेले में तैनात अस्थायी पुलिस चौकी पर दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की और जांच शुरू कर दी है।

मड़ौका में मृतक राजेश निषाद के परिवार से पूर्व महापौर ने की मुलाकात, हर सम्भव मदद का दिया आश्वासन

पीड़ित परिवार ने सुरक्षा, सहयोग और न्याय की मांग की

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने सोमवार को नैनी के मड़ौका गांव में जाकर मृतक राजेश कुमार निषाद के परिवार जनों से मुलाकात की। शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवारजनों को ढांढस बंधाया। वहीं हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व महापौर ने कहा कि योगी सरकार में अपराधियों की खैर नहीं है। जो भी अपराध करेगा उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मृतक युवक के परिवारजनों ने सुरक्षा के साथ ही सहयोग और न्याय की गुहार लगाई।

विगत दिनों नैनी क्षेत्र के मड़ौका गांव निवासी ठेकेदार राजेश कुमार निषाद की कुछ अराजक तत्वों द्वारा सिर्फ इस बात पर निर्मम हत्या कर दी गई थी कि उन्होंने अपने पिता की समाधि पर लोगों को लघु शंका करने से मना किया था। इस निर्मम हत्याकांड की जानकारी मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सिपाही सुनील कुमार समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वहीं पांच लोग अभी भी फरार हैं। जिनकी तलाश में पुलिस टीम

दबिश दे रही है।

सोमवार को प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने मड़ौका गांव में जाकर मृतक राजेश कुमार निषाद के परिवारजनों से मुलाकात की तो उनकी मां ननकी देवी, पत्नी संगीता निषाद एवं भाई शेखर निषाद ने न्याय की गुहार लगाई। कहा कि बहुत ही निर्मम तरीके से लोहे के सरिया से राजेश कुमार निषाद की हत्या की गई। परिवार की आजीविका का एक मात्र सहारा राजेश की हत्या के बाद पूरा परिवार बिखर गया है। परिवार में मां, भाई एवं पत्नी के अलावा राजेश कुमार निषाद के तीन बच्चे एवं दो बहने हैं। जिनका पालन पोषण अब कैसे होगा। पीड़ित परिवार ने पूर्व महापौर को अपनी पीड़ा बताते हुए पुलिस द्वारा पूर्ण सहयोग न किए जाने, अभी तक पीएम रिपोर्ट न दिए जाने की बात कही। घटना को अंजाम देने वाले एवं फरार चल रहे अपराधियों से सुरक्षा मुहैया कराए जाने के साथ ही परिवार की आजीविका के लिए सहयोग की मांग की। जिस पर पूर्व महापौर ने हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पूर्व महापौर ने नैनी थानाध्यक्ष से घटना एवं कार्रवाई के सम्बंध में बात की। जिस पर थानाध्यक्ष ने पीएम रिपोर्ट केस डायरी के साथ पुलिस अधिकारियों को भेजे जाने एवं फरार चल रहे आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की बात कही।

शहरवासियों की जल निकासी की समस्याओं एवं नाला नाली सफाई हेतु आहूत की गई विशेष बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज ने जल निकासी की समस्याओं एवं नाला नाली की सफाई हेतु पर विभागीय बैठक आयोजित किया जिसमें

बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ जल एवं जल निगम के होने वाले कार्यों की योजना बनाई गई। बैठक में शामिल होने वाले लोगों में अपर नगर आयुक्त सहायक नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी को शहर में जिसमें सामुदायिक केंद्र, स्कूल, स्थानीय पार्क, शहर के मंदिरों, सड़कों, घरेलू जल आदि स्थानों पर सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान केंद्रित करने को कहा।

बैठक के दौरान चर्चा किए गए कार्यों की एक योजना बनाएं और उन्हें लागू करने के साथ समस्याओं की जांच कर निस्तारण के निर्देश दिए बैठक में एजेण्डा बिन्दु एम0जी0 मार्ग से सी0एम0पी0 एवं जार्ज टाउन तक, जार्ज टाउन, टैगोर टाउन, एल0आई0सी0 कालोनी, विजय मिश्रा के मकान (60 फिट रोड)

सी0वाई0 चिन्तामणि रोड, संगम पेट्रोल पम्प, रौजा मजार तक जाफरी कालोनी, मलाकराज क्षेत्र, इन्सेटिंव धनराशि (80 लाख) का उपयोग अलोपीबाग पम्पिंग स्टेशन

हेतु, सी0वाई0 चिन्तामणि रोड, मालवीय रोड, एम0जी0 मार्ग, अल्लापुर पम्पिंग स्टेशन के पास एम0एल0 कान्वेंट के निकट तालाब, बक्शी बाध पर मैकेनाइज्ड स्क्रीन, मोरी ड्रेन, मलाकराज व बैहराना का रोबोट द्वारा सर्वे में सम्मिलित सभी स्थानों का कार्य होना है।

इसी क्रम में आगामी बरसात के मौसम से पहले शहर के साथ नगर निगम के समस्त जोनल अधिकारियों को सफाई, चोक नाली, पुलिया एवं नालों के साफ सफाई एवं पानी की व्यवस्था में सुधार के साथ मरम्मत एवं निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल निगम के सभी जोन को निर्देश दिए कि नलकूप के मरम्मत एवं पानी को स्वच्छता पर ध्यान देने एवं जल की समस्याओं निस्तारण की बात कही इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अरविन्द कुमार रॉय, राजीव कुमार शुक्ला दीपेंद्र यादव जलकल विभाग के महाप्रबंधक गौरव कुमार सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पाण्डेय मुख्य अभियंता दिनेश सचान अधिशासी अभियंता अनिल कुमार मौर्य व अजीत कुमार विद्युत से संजय कटियार जलनिगम से आशुतोष जी एव परमार जी एवं सभी जोन के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पण्डिला परिसर स्थित पीएम केंद्रीय विद्यालय पांच दिवसीय दक्षता आधारित कार्यशाला शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पण्डिला परिसर स्थित पीएम केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ पण्डिला में सोमवार से दक्षताआधारित अधिगम (सीबीएल) पर पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। कार्यशाला का आयोजन अरविंदो सोसायटी द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन के वाराणसी संभाग के अंतर्गत किया जा रहा है। कार्यशाला मेंवाराणसी संभाग के प्रशिक्षित स्नातक (अंग्रेजी) शिक्षक भाग ले रहे हैं। उन्हें नई शिक्षा नीति के अनुरूप दक्षता आधारित शिक्षण पद्धति की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को कक्षा में नवाचार, गतिविधि आधारित पढ़ाई और बच्चों के कौशल विकास पर केंद्रित शिक्षण तकनीकों से जोड़ना है। उद्घाटन के अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मनोज तिवारी, रिया मल्होत्रा, मीनाक्षी गौतम समेत विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। प्राचार्य मनोज तिवारी ने कहा कि बदलते समय में केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में तार्किक सोच, अभिव्यक्ति क्षमता और व्यावहारिक समझ विकसित करना जरूरी है।विद्यालय प्रशासन के अनुसार पांच दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण, गतिविधि आधारित अभ्यास और मूल्यांकन की नई पद्धतियों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इससे शिक्षण प्रक्रिया को और प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। प्रतिभागियों ने इसे शिक्षा की गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बीएसए अनिल कुमार की जांच में हुआ खुलासा

पांच माह से शिक्षक स्कूल गये नही प्रधानाचार्य भी फंसी, दोनों निलंबित

दोनों शिक्षकों से मिलीभगत पर बीईओ को नोटिस, बीएसए ने 15 दिन में स्पष्टीकरण किया तलब, रजिस्टर जब्त

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनिल कुमार ने क्षेत्रीय लोगों और अभिभावकों की शिकायत पर कंपोजिट विद्यालय राजापुर मांडा का औचक निरीक्षण किया। यहां बच्चों की उपस्थिति 70 प्रतिशत मिली लेकिन शैक्षिक स्तर व शिक्षकों की कार्यप्रणाली असंतोषजनक पाई गई। सहायक अध्यापक कौशल सिंह एक अक्टूबर से बिना सूचना के गायब मिले। पूर्व में भी उनके अनियमित रूप से विद्यालय आने की शिकायतें पाई गईं लेकिन उनका वेतन प्रधानाध्यापक रजिया फरहाना नियमित रूप से निकलवाती रहीं। इस प्रकरण में दोनों शिक्षकों को निलंबित करते हुए हस्ताक्षर रजिस्टर जब्त कर लिया है। बीएसए ने दोनों शिक्षकों से 15 दिन के भीतर इस संबंध में लिखित जवाब मांगा गया है जिससे कि इनके खिलाफ सख्त कारवाई है सके। इस मामले में बीईओ मांडा को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

बीएस अनिल कुमार ने बताया

कि 14 फरवरी को उन्होंने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। एक प्रधानाध्यापक, चार सहायक अध्यापक, दो अनुदेशक और एक शिक्षामित्र कार्यरत है। 337 विद्यार्थियों का नामांकन स्कूल में है। निरीक्षण के समय प्रधानाध्यापिका रजिया फरहाना बीआरसी मांडा में प्रशिक्षण के लिए गई थीं। दोनों अनुदेशक एक घंटे देर से विद्यालय पहुंचे। शेष अन्य शिक्षक उपस्थित मिले। हर्ष प्रताप सिंह के संबंध में कक्षा सात और आठ के छात्र, छात्राओं से बात करने पर पता चला कि वह बीच, बीच में अनुपस्थित रहते है। महिला अनुदेशक समय से विद्यालय में उपस्थित होकर शैक्षिक कार्य करती हैं लेकिन निरीक्षण के दिन देर से आईं। हालांकि दोनों अनुदेशकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इसी क्रम में सहायक अध्यापक कौशल सिंह के बारे में ग्रामीणों और अभिभावकों ने शिकायत की थी कि वह स्कूल नहीं आते। विद्यालय पहुंचने पर पता चला कि वह एक अक्टूबर 2025 से विद्यालय में बिना सूचना के अनुपस्थित चल रहे हैं। छात्र, छात्राओं से बातचीत में यह नहीं पता चला कि वह क्या पढ़ाते हैं। इससे साफ होता है कि वह कई वर्ष से अनुपस्थित रहते थे जबकि प्रधानाध्यापिका और खंड शिक्षा अधिकारी की साठ गांठ से उनका वेतन निकलता आ रहा है। यह कृत्य बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है। उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली-1956 के विरुद्ध है।

छात्र-छात्राओं के विषय, जेंडर कोड में त्रुटि को तुरंत करें ठीक : सचिव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 2026 की 10वीं और 12वीं की परीक्षा 18 फरवरी बुधवार से होने जा रही है।बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र - छात्राओं के विषय और जेंडर कोड में त्रुटि के मामले को यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज गंभीरता से लिया है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने कहा कि संशोधन का मौका देने के बाद भी कई प्रधानाचार्यों ने लापरवाही बरती है, परीक्षार्थियों के त्रुटि पूर्ण डाटा फीडिंग को लेकर संबंधित विद्यालयों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित जिलों के डीआईओएस को निर्देश दिया है। वहीं जेंडर त्रुटि के आधार पर आवंटित गलत परीक्षा केंद्र में सुधार के भी निर्देश दिए हैं। यूपी बोर्ड ने छात्राओं के लिए स्वकेंन्द्र केंद्र की सुविधा दी गयी है। यूपी बोर्ड सचिव ने जेंडर त्रुटि में सुधार करते हुए छात्रों को स्वकेंद्र परीक्षा दिलाने की व्यवस्था करने का दिया निर्देश या उन्हें यथासंभव सात किलोमीटर की परिधि में परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने की सुविधा दिलाने का निर्देश दिया है। छात्रों को भी जेंडर कोड त्रुटि के कारण अगर स्वकेंन्द्र सुविधा प्राप्त हो रही है, तो ऐसे बालक परीक्षार्थी को विद्यालय के आवंटित अन्य बालक परीक्षार्थियों के लिए आवंटित परीक्षा केंद्र पर परीक्षा में सम्मिलित करने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने इस आदेश का सख्ती से पालन कराए जाने का सभी जिलों के डीआईओएस को निर्देश दिया है।

मंडलीय बाल उत्सव प्रतियोगिता संपन्न, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की संस्कृति ने मारी बाजी

एडी बेसिक संजय कुशवाहा के नेतृत्व में हुई प्रतियोगिता

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0' मंडलीय बाल उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन एडी बेसिक संजय कुशवाहा और जीडीआई उर्दू हरिश्चंद्र गिरी के नेतृत्व में आज संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में मंडल के चार जनपद प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ और फतेहपुर जिला शामिल था। इन जिलों से चयनित 10 - 10 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। 40 प्रतिभाशाली बच्चों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रयागराज के पांच मास्टर ट्रेनरों ने विभिन्न शैक्षिक गतिविधियाँ एवं क्विज प्रतियोगिताए आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ सहभागिता की। सभी 40 प्रतिभागियों में से 10 विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। बहादुरपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्रा संस्कृति यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संस्कृति यादव की इस सफलता के पीछे मीना मंच नोडल बहादुरपुर एवं उनकी सुगमकर्ता रत्ना चौरसिया का विशेष मार्गदर्शन रहा, जिनके निर्देशन में छात्रा ने पूरी निष्ठा एवं परिश्रम से तैयारी की और उनकी मेहनत सफल हुई। मास्टर ट्रेनर श्वेता सिंह ने भी संस्कृति यादव को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।अब संस्कृति यादव राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बहुत-बहुत बधाई।

बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने किया पूजन, अर्चन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सिविल लाइंस के बादशाही मंडी स्थित बाबा बादशाही मंडेश्वर नाथ शिवालय में बाबा का भव्य श्रृंगार एवं भजन कीर्तन का हुआ आयोजन महाशिवरात्रि पर हुआ। भोर से बडी संख्या में दर्शन - पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड पडी थी। मुख्य पुजारी सूर्य कुमार पांडेय ने बताया की विगत कई वर्षों से शिवरात्रि महापर्व पर बाबा का सुबह अभिषेक होता है और शाम को बाबा का भव्य श्रृंगार एवं महाआरती का आयोजन होता है जिसमे बड़ी तादात में श्रद्धालु दूर - दूर से दर्शन, पूजन के लिए आते है। इस अवसर पर अनिल, बंटी, अंकित, छोटू आदि मौजूद रहे।

जनपद मुख्यायुक्त पीएन सिंह जम्बूरी में उत्कृष्ट-श्रेष्ठ, सुरेंद्र प्रताप सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश की आयोजित प्रादेशिक परिषद बैठक एवं जम्बूरी सम्मान समारोह में जनपद प्रयागराज के पदाधिकारियों एवं प्रतिभागियों को विभिन्न उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदेश भर से स्काउट - गाइड के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने जनपद मुख्यायुक्त / डीआईओएस पीएन सिंह को जम्बूरी में उत्कृष्ट एवं श्रेष्ठ सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में जनपद प्रयागराज से एचडब्ल्यूबी कोर्स में सफल सुरेन्द्र प्रताप सिंह जिला संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड प्रयागराज एवं अनिल शुक्ला को प्रमाण-पत्र एवं पार्चमेंट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीएसजी ज्ञान प्रतियोगिता के कब-बुलबुल सेक्शन में सांतवना पुरस्कार बेसिक विभाग से अंशुमान सिंह एवं रेनू कुशवाहा को भी सम्मानित किया गया। प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि स्काउट-गाइड संस्था केवल प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि बच्चों और युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, सेवा भाव और आत्मनिर्भरता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। जम्बूरी जैसे आयोजन प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना से जोड़ते हैं। प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो रहा है और संस्था निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों ने जनपद प्रयागराज की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं।

विभिन्न दलो के 10 महापौर और 7 उप महापौर पद के नामांकन दर्ज

भिवंडी मनपा महापौर व उपमहापौर चुनाव में महायुति आमने- सामने

पूर्व महापौर विलास पाटिल पुलिस कस्टडी से पहुंचकर किया नामांकन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में आगामी 20 फरवरी को होने वाले महापौर और उप महापौर पद के चुनाव को लेकर सोमवार 16 फरवरी को नामांकन प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान महापौर पद के लिए 10 और उप महापौर पद के लिए 7 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। चुनावी माहौल में भाजपा, शिवसेना (महायुति) सहित विभिन्न राजनीतिक दल आमने-सामने नजर आए, जबकि तीन पूर्व महापौर भी एक बार फिर चुनावी मैदान में उतर गए हैं।

गौरतलब है कि 90 सीटों वाली भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी को संपन्न हुआ था, जबकि मतगणना 16 जनवरी को हुई थी। चुनाव परिणाम में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। कांग्रेस ने 30 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया, जबकि भाजपा को 22 सीटें मिलीं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (शिंदे गुट) को 12-12 सीटें, समाजवादी पार्टी को 6 सीटें, कोणार्क विकास आघाड़ी को 4 सीटें, भिवंडी विकास आघाड़ी (एकता मंच) को 3 सीटें और एक निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहा।

नामांकन की बात करें तो कांग्रेस की ओर से महापौर व उप महापौर दोनों पदों के लिए तारिक अब्दुल बारी मोमिन ने नामांकन दाखिल किया है। भाजपा की? ओर से महापौर पद के लिए नारायण रतन चौधरी और स्नेहा मेहुल पाटिल ने नामांकन पत्र दाखिल किया है, जबकि उप महापौर पद के लिए सुहास जालिंदर नकाते ने नामांकन दाखिल किया। शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से महापौर पद के लिए बालाराम मधुकर चौधरी और सुचिता रूपेश म्हात्रे मैदान में हैं, जबकि उप महापौर पद के लिए अस्मिता प्रभुदास नाईक ने नामांकन किया है। कोणार्क विकास आघाड़ी की ओर से विलास रघुनाथ पाटिल, प्रतिभा विलास पाटिल और एडवोकेट मयुरेश विलास पाटिल ने महापौर पद के लिए नामांकन दाखिल किया, वहीं एडवोकेट मयुरेश पाटिल ने उप महापौर पद के लिए भी नामांकन किया है।

भिवंडी विकास आघाड़ी की ओर से जावेद गुलाम मोहम्मद दलवी ने महापौर और उप महापौर दोनों पदों के लिए नामांकन दाखिल किया है, जबकि समाजवादी पार्टी की ओर से उप महापौर पद के लिए शेख आरीब मोहम्मद याकूब उम्मीदवार हैं। राकांपा के किसी भी सीटों पर नामांकन दाखिल नही किया है। अब सभी की नजरें 20 फरवरी को होने वाले महापौर और उप महापौर चुनाव पर टिकी हैं, जहां किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण राजनीतिक समीकरण निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

पुलिस कस्टडी में मुख्यालय आकर पूर्व मेयर ने दाखिल किया नामांकन...

ठाणे आर्थिक अपराध शाखा द्वारा धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी के बाद चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजे गए पूर्व मेयर विलास पाटिल ने कोर्ट के आदेश पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस कस्टडी में मनपा मुख्यालय में पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया है।/जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। ठाणे आर्थिक अपराध शाखा ने वर्ष 2025 में दर्ज एक कथित धोखाधड़ी मामले में पूर्व महापौर विलास पाटिल को शुक्रवार 13 फरवरी की रात 12 बजे रात छापामार कर गिरफ्तार किया था।जिन्हें अदालत ने उन्हें 18 फरवरी तक चार दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया था।इस दौरान पूर्व मेयर ने मनपा महापौर चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने हेतु पुलिस कस्टडी में ही मनपा में जाने की अनुमति मांगी थी। जिसके लिए दायर की गई याचिका पर 16 फरवरी को अदालत में सुनवाई हुई। जिसके बाद अदालत ने उन्हें दो घंटे के पैरोल पर नामांकन भरने की छूट प्रदान की।लेकिन उन्हें मीडिया व पब्लिक से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। जिसके बाद विलास पाटिल ने पुलिस कस्टडी में मनपा मुख्यालय पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया।

चैन स्नैचिग और मोबाइल चोरी के 16 मामलों में वांछित

भिवंडी सब जेल से शातिर चोर फरार, लोहे की जाली तोड़कर पुलिस को चकमा देकर भागा आरोपी

जेल सुरक्षा पर उठे सवाल, पुलिस की तलाश तेज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी सब जेल से एक शातिर अपराधी के फरार होने की घटना ने पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। चैन छिनौती और मोबाइल चोरी के कई मामलों में गिरफ्तार आरोपी ने रविवार रात करीब 9 बजे पुलिस को चकमा देकर जेल से फरार होने में सफलता हासिल कर ली। फरार आरोपी की पहचान रवींद्र भोसले (28), निवासी देवजी नगर के रूप में हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात आरोपी को औषधि और भोजन देने के लिए सब जेल से बाहर निकाला गया था। इसी दौरान उसने बंदोबस्त पर तैनात पुलिसकर्मियों की नजर से बचते हुए मौके का फायदा उठाया और वहां लगी लोहे की जाली तोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस विभाग में खलबली मच गई है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि रवींद्र भोसले चैन छिनौती और मोबाइल चोरी के मामलों में शातिर अपराधी है। गुप्त सूचना के आधार पर भिवंडी क्राइम ब्रांच ने करीब आठ दिन पहले उसे गिरफ्तार किया था। सोमवार (16 फरवरी) तक पुलिस कस्टडी होने के कारण उसे तहसीलदार कार्यालय परिसर स्थित सब जेल में रखा गया था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी के खिलाफ भिवंडी, कल्याण, ठाणे, उल्हासनगर, कर्जत रेलवे और पुणे रेलवे क्षेत्र में कुल 16 मामले दर्ज हैं, जिनमें 13 चैन स्नैचिग चोरी और 3 मोबाइल चोरी के मामले शामिल हैं। उसकी गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से करीब 15 तोला सोने के आभूषण और 21 मोबाइल फोन समेत करीब 8 लाख 55 हजार रुपये का माल बरामद किया था।

आरोपी के फरार होने के बाद शांतीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुट गई हैं। आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर जांच तेज कर दी गई है, वहीं जेल सुरक्षा में हुई चूक की भी जांच की जा रही है।

जहरीला पानी, बेपरवाह सिस्टम ! NGT की रोक से खुली भिवंडी मनपा जलापूर्ति विभाग की पोल

1 लाख लोगों तक पहुँच रहा था दूषित तालाब का पानी। स्वास्थ्य का खतरा मंडराया।

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भिवंडी पालिका क्षेत्र के वराला देवी तालाब से पेयजल आपूर्ति पर 27 मार्च तक रोक लगाते हुए शहर की जलापूर्ति व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। तालाब का पानी दूषित होने की शिकायतों और स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए ट्रिब्यूनल ने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। इस आदेश के बाद भिवंडी मनपा के जलापूर्ति विभाग और उसकी कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। कामतघर, फेनागांव समेत आसपास के इलाकों में रहने वाले एक लाख से ज्यादा लोगों को इसी तालाब से पानी सप्लाई किया जा रहा था। अब सप्लाई बंद होने के बाद प्रशासन ने केवल पांच टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। प्रत्येक टैंकर की क्षमता लगभग 12 से 15 हजार लीटर बताई जा रही है, जिससे इतने बड़े इलाके की जरूरत पूरी होना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है और शहर में जल संकट की स्थिति बन गई है।

ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश दिनेश कुमार सिंह के समक्ष सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. स्नेहल डोंडे की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से वकील रोनिता भट्टाचार्य ने दलील दी कि वराला देवी मंदिर क्षेत्र में नल के पानी में भारी गंदगी पाई गई। 5 जनवरी 2026 को हुए परीक्षण में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड 4.6 और डिसॉल्व्ड ऑक्सीजन 5.8 पाया गया, जो निर्धारित सीमा से अधिक है। वहीं फीकल कोलीफॉर्म 170 और टोटल कोलीफॉर्म (MPN तकनीक) 1600 दर्ज किया गया, जिससे पानी पीने योग्य नहीं माना गया,श्इँ के वकील ने बताया कि 6 फरवरी 2026 को नए सैंपल लेकर नेशनल एक्रेडिटेड एजेंसी स्काईलार्क लैब में जांच के लिए भेजे गए हैं और रिपोर्ट दो से तीन सप्ताह में मिलने की संभावना है। ट्रिब्यूनल ने तीन से चार सप्ताह का समय देते हुए निर्देश दिया कि रिपोर्ट की कॉपी सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जाए। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को तय की गई है।

गौरतलब है कि मानसरोवर, फेनागांव समेत आसपास की बस्तियों की ड्रेनेज लाइन का दूषित पानी तालाब में छोड़े जाने के आरोप हैं, जिसके कारण तालाब का पानी हरा हो चुका है। स्थानीय लोगों के अनुसार लगभग पांच वर्ष पहले भी पानी जांच में दूषित पाया गया था, इसके बावजूद जलापूर्ति विभाग ने सप्लाई जारी रखी। आरोप है कि तालाब में आत्महत्या के मामलों के बाद शव निकाले जाने के बावजूद उसी पानी की सप्लाई लोगों के घरों तक होती रही। भिवंडी मनपा के जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर के अनुसार, वराला देवी तालाब से प्रतिदिन करीब 5 एमएलडी पानी शहर के विभिन्न इलाकों में सप्लाई किया जाता था। उऊ के आदेश के बाद फिलहाल पांच टैंकरों के जरिए पारहउपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यकारी अभियंता
(जलापूर्ति विभाग)
संदीप पटनावर

डॉग सेंटर में भ्रष्टाचार, लापरवाही और पशु क्रूरता के आरोप, कार्रवाई की मांग तेज

भिवंडी। भिवंडी- निजामपुर शहर महानगर पालिका के स्वच्छता व आरोग्य विभाग द्वारा संचालित डॉग सेंटर (श्वान नसबंदी केंद्र) एक बार फिर विवादों में घिर गया है। केंद्र में कथित भ्रष्टाचार, गंभीर लापरवाही और पशु क्रूरता के आरोपों को लेकर शिवसेना (उबाठा) के जिला प्रमुख मनोज गगे और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आयुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में श्वान केंद्र की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं और तत्काल जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

ज्ञापन के अनुसार, महानगर पालिका द्वारा आवारा कुत्तों की नसबंदी और नियंत्रण के लिए बनाए गए स्लॉटर हाउस में संचालित डॉग सेंटर में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि यहां पकड़े गए कुत्तों की उचित देखभाल नहीं की जाती, उन्हें पर्याप्त भोजन और पानी नहीं दिया जाता तथा ऑपरेशन के बाद जरूरी मेडिकल निगरानी का अभाव रहता है। इससे कई कुत्तों की हालत बिगड़ने और मौत होने की आशंका जताई गई है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप बोडके, आयान मोमिन आदि लोगों का कहना है कि नसबंदी प्रक्रिया भी तय दिशा-निर्देशों के अनुसार नहीं हो रही है। ऑपरेशन के बाद रिकवरी और देखभाल के लिए आवश्यक 'एलएसएस' (थएए) सुविधा उपलब्ध नहीं होने से पशुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बना रहता है। इसके अलावा नियमों के विरुद्ध कुत्तों को उनके मूल इलाके में छोड़ने के बजाय कहीं भी असुरक्षित स्थानों पर छोड़ने के आरोप लगाए गए हैं, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। ज्ञापन में एक दर्दनाक घटना का भी उल्लेख किया गया है। आरोप है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ कुत्तों की उचित देखभाल नहीं होने के कारण 31 जनवरी 2026 को एक 13 वर्षीय बालक की कुत्ते के काटने से मौत हो गई। इस घटना ने डॉग सेंटर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके अलावा एक महिला ने शिकायत की है कि 10 जनवरी 2026 को कामतघर क्षेत्र से उसके पालतू कुत्ते को केंद्र के कर्मचारियों द्वारा उठा लिया गया। पुष्टि होने के बावजूद महिला को उसका कुत्ता वापस नहीं मिला। 3 फरवरी 2026 को जब पीड़िता और प्रतिनिधि केंद्र पहुंचे तो वहां कुत्ता नहीं मिला, जिससे लापरवाही और अनियमितता के आरोप और गहरे हो गए है।नागरिकों ने मांग की है कि जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डॉग सेंटर को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए तथा संबंधित ठेकेदार और दोषी नगर निगम कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ँच) की विभिन्न धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही मृत बालक के परिवार को उचित मुआवजा देने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग की गई है।

आंकडे देखे तो पिछले 6 वर्षो में भिवंडी में 67,183 लोग श्वान बाइट का शिकार हुए, सिर्फ जनवरी 2026 में 1062 लोगों को कुर्तों ने काटा। वहीं, पिछले एक वर्ष में 11,037 लोग स्वान हमले में घायल हुए। शहर में अनुमानित 14 हजार से अधिक आवारा स्वान सड़कों और गलियों में झुंड बनाकर घूम रहे हैं, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों की जान हमेशा खतरे में रहती है। कई मामलों में डर के कारण वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं।

मनपा द्वारा आवारा स्वानों की नसबंदी और रेबीज टीकाकरण का ठेका हैदराबाद की 'वेट्स सोसाइटी फॉर एनिमल वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट' को पांच वर्षों के लिए दिया गया है। लक्ष्य 13,500 स्ट्रीट डॉग्स की नसबंदी का था, लेकिन जनवरी 2026 तक 15 माह में सिर्फ 6134 स्वानों की ही नसबंदी हो सकी है। यानी रोजाना औसतन मात्र 13 स्वानों की नसबंदी। यही नहीं, टीकाकरण की रफ्तार भी बेहद धीमी है, जिससे स्वानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ईदगाह, शांतिनगर, कामतघर, नागांव, गायत्रीनगर, निजामपुर और कोंबडपाड़ा जैसे इलाकों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। नागरिकों का आरोप है कि स्वान पकड़ने वाले ठेकेदार के कर्मचारी कभी-कभार ही नजर आते हैं। नसबंदी के बाद पहचान के लिए कान पर लगाया जाने वाला निशान भी इतना छोटा होता है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा स्वान नसबंद है और कौन नहीं ।

रुद्राभिषेख,शिव विवाह के साथ महाभण्डारा संपन्न

2500 लोगों ने उठाया महाप्रसाद का लाभ

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के टेमघर इलाके के सिद्धिविनायक कॉम्प्लेक्स में सिद्धि नारायण ग्रुप द्वारा श्री सिद्धिविनायक शिव मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रुद्राभिषेख के साथ महाभण्डारा का आयोजन किया गया।जिसका तकरीबन 2500 महिला पुरुष ने लाभ उठाया

सिद्धि नारायण ग्रुप के मालिक नारायण मच्छा ने बताया कि महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवम डेवलपर्स के मालिक सागर मच्छा अपनी पत्नी पूजा सागर मच्छा व कई अन्य लोगों के साथ रात्री 9 बजे से 12 बजे तक विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोले नाथ का रुद्राभिषेख किया।तत्पश्चात बिधिवत भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती की शादी हुई।इस दौरान मंदिर पर भोले भंडारी के दर्शन हेतु आने वाले भक्तों के लिए अल्पहार की व्यवस्था सिद्धि नारायण ग्रुप द्वारा किया गया था।तत्पश्चात दूसरे दिन यानी सोमवार को दोपहर में 12 बजे से तीन बजे तक महाभण्डारा का आयोजन किया गया था।जहां पर प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। इस दौरान तकरीबन 25 सौ लोगों ने महाप्रसाद का लाभ उठाया।पूजा से लेकर भंडारा तक का सारा आयोजन खुद नारायण मच्छा,मनोज गुज्जा,राकेश कुलकर्णी ,मच्छा परिवार व सिद्धि नारायण परिवार के देखरेख में संपन्न हुआ।सिद्धि नारायण ग्रुप के मालिक नारायण मच्छा ने बताया कि यह कार्यक्रम विगत 15 वर्षों से अनवरत जारी है।बता दे कि नारायण मच्छा भिवंडी के प्रसिद्ध भवन निर्माता है।जो विगत 24 वर्षों से शहर में बिल्डिंग निर्माण का काम कर रहे है।इसके साथ ही भिवंडी के प्रसिद्ध रामेश्वर मंदिर,मानसरोवर शिव मंदिर,सुभाष नगर के शिवशंकर मंदिर सहित शहर के सभी शिव मंदिरो में धूमधाम से महाशिवरात्रि का त्योंहार मनाया गया।

तलवार-चाकू से वार, कई घायल; 10 से ज्यादा पर केस

भिवंडी में हथियारों से लैस गैंग का हमला

रंजिश में आधी रात बवाल, लोहे की रॉड और चॉपर लेकर पहुंचे आरोपी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में आपसी रंजिश ने रविवार रात हिंसक रूप ले लिया, जब हथियारों से लैस एक गैंग ने हमला कर इलाके में दहशत फैला दी। तलवार, चाकू, लोहे की रॉड और चॉपर जैसे घातक हथियारों से किए गए हमले में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में 12 नामजद सहित 10 से 12 से अधिक अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार यह घटना 14 फरवरी 2026 की रात करीब 10:30 बजे भिवंडी के भायवनगर इलाके में घटी। शिकायतकर्ता सागर मालती बनसोडे (26) ने आरोप लगाया कि वह अपने परिचितों के साथ बैठा था, तभी चेतन सरदार, प्रशांत सरदार, प्रतीक, लवकेश वरगड, विषु पटेल, शुभम गायकवाड, छोटा सरदार, बबल्या भोडवे, सनी, ऋषिकेश बरगड,चेतन सरदार सहित अन्य लोग हथियारों के साथ वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने तलवार और चाकू लहराते हुए हमला कर दिया। इस दौरान एक आरोपी ने तलवार से वार कर एक व्यक्ति को घायल कर दिया, जबकि अन्य आरोपियों ने लोहे की रॉड और पंच से मारपीट की। अचानक हुए हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता व शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है। इस घटना की आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक सुरेश ढोले कर रहे हैं।

पुलिस ने दर्ज किया गंभीर मामला

'स्वार्थ नहीं, जुड़ाव ही समाज की पहचान', गोरखपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने दिया सद्भाव का मंत्र

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को गोरखपुर दौरे के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में भाग लिया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था। संघ सूत्रों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने बाबा गंभीर नाथ सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले, उन्होंने दीप प्रज्वलित करके संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इसके बाद, भगवत ने प्रदर्शनी का दौरा किया और संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गोरख प्रांत द्वारा संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित होते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत सद्भावना और सामाजिक सद्भाव का वैश्विक केंद्र है। देश की सभ्यतागत विचारधारा लेन-देन वाले रिश्तों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना में निहित है। भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुए भागवत ने कहा कि रीति-रिवाजों, पहनावे और परंपराओं में अंतर विभाजन पैदा नहीं करते, क्योंकि अंतर्निहित सांस्कृतिक एकता ही हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि हम भारत को अपनी माता मानते हैं। एक ही दिव्य चेतना हम सब में निवास करती है। यही बंधन हमें हमारी भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है। उन्होंने आगे कहा कि समाज को केवल कानून व्यवस्था ही नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी बनाए रखता है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है। उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए वर्ष में दो से तीन बार ब्लॉक स्तर की बैठकें आयोजित करने का आह्वान किया और समुदायों से जातिगत सरोकारों से परे व्यापक हिंदू समाज के लिए काम करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान के खिलाफ 0 पर आउट होने के बाद भी हरभजन को अभिषेक पर भरोसा, दी सलाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर हर खिलाड़ी पर दबाव रहता है, खासकर तब जब मुकाबला भारत बनाम पाकिस्तान जैसा हाई-वोल्टेज हो। युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के लिए यह टूर्नामेंट अब तक आसान नहीं रहा है। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद सवाल उठने लगे, लेकिन ऐसे वक्त में टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह उनके समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। हरभजन का मानना है कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज़ जल्द ही जोरदार वापसी करेगा और टीम के लिए मैच विनर साबित होगा।

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर अभिषेक का समर्थन करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी को निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ महीने पहले यही बल्लेबाज गेंदबाजों पर हावी था और लगातार आक्रामक पारियां खेल रहा था। हरभजन ने साफ कहा कि बड़े टूर्नामेंट में शुरुआती असफलता करियर का अंत नहीं होती। उन्होंने अभिषेक को सलाह दी कि वह इन दोनों मैचों से सीख लें और आत्मविश्वास बनाए रखें। उनके मुताबिक टीम मैनेजमेंट और पूरा देश इस युवा खिलाड़ी के साथ खड़ा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा रणनीति की जंग भी होता है। पाकिस्तान की ओर से कप्तान सलमान अली आगा ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए खुद गेंदबाजी की शुरुआत की। उनकी इस चाल ने भारत को शुरुआती झटका दे दिया। अभिषेक शर्मा, जो हाल ही में बीमारी से उबरकर टीम में लौटे थे, शुरुआत से ही आक्रामक दिखना चाहते थे। लेकिन चार गेंदों के भीतर ही वह एक सीधा शॉट खेल बैठे, जिसे मिड-ऑन पर खड़े शाहिन शाह अफरीदी ने आसान कैच में बदल दिया। इस तरह भारत को बिना खाता खोले पहला झटका लगा। टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर हर खिलाड़ी पर दबाव रहता है, खासकर तब जब मुकाबला भारत बनाम पाकिस्तान जैसा हाई-वोल्टेज हो। युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के लिए यह टूर्नामेंट अब तक आसान नहीं रहा है। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद सवाल उठने लगे, लेकिन ऐसे वक्त में टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह उनके समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। हरभजन का मानना है कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज़ जल्द ही जोरदार वापसी करेगा और टीम के लिए मैच विनर साबित होगा।

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर अभिषेक का समर्थन करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी को निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ महीने पहले यही बल्लेबाज गेंदबाजों पर हावी था और लगातार आक्रामक पारियां खेल रहा था। हरभजन ने साफ कहा कि बड़े टूर्नामेंट में शुरुआती असफलता करियर का अंत नहीं होती। उन्होंने अभिषेक को सलाह दी कि वह इन दोनों मैचों से सीख लें और आत्मविश्वास बनाए रखें। उनके मुताबिक टीम मैनेजमेंट और पूरा देश इस युवा खिलाड़ी के साथ खड़ा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा रणनीति की जंग भी होता है। पाकिस्तान की ओर से कप्तान सलमान अली आगा ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए खुद गेंदबाजी की शुरुआत की। उनकी इस चाल ने भारत को शुरुआती झटका दे दिया। अभिषेक शर्मा, जो हाल ही में बीमारी से उबरकर टीम में लौटे थे, शुरुआत से ही आक्रामक दिखना चाहते थे। लेकिन चार गेंदों के भीतर ही वह एक सीधा शॉट खेल बैठे, जिसे मिड-ऑन पर खड़े शाहिन शाह अफरीदी ने आसान कैच में बदल दिया। इस तरह भारत को बिना खाता खोले पहला झटका लगा।

ऑस्ट्रेलियाई का बड़ा खिलाड़ी टी20 विश्व कप से बाहर, श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले लगा झटका

पल्लेकेले **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउडर जॉश हेजलवुड पिंडली की चोट के कारण टी20 विश्वकप 2026 से बाहर हो गए है। उनकी जगह टीम में स्टीव स्मिथ को शामिल किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को हेजलवुड के रिप्लेसमेंट को मंजूरी दे दी। हेजलवुड की जगह स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ हेजलवुड पिंडली की चोट के कारण टूर्नामेंट से आधिकारिक रूप से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने हेजलवुड को टीम में जगह दी थी और टीम के चिकित्सा दल को उम्मीद थी कि वह टूर्नामेंट में खेलने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे, लेकिन वे कामयाब नहीं हुए। आईसीसी की तकनीकी समिति ने हेजलवुड के रिप्लेसमेंट की मंजूरी दी है। इसी के आधार पर स्टीव स्मिथ को आधिकारिक रूप से टीम में शामिल कर लिया गया। टी20 विश्व कप के लिए अपडेटिड ऑस्ट्रेलियाई टीम : मिच मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

इंडियन बैंक के असिस्टेंट मैनेजर ने कर दिया घपला, लॉकर से चुरा लिया 3 किलो सोना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बैंक लॉकर को सबसे सुरक्षित जगह माना जाता है लेकिन बेंगलुरु से आई एक घटना ने इस भरोसे को झटका दिया है। इंडियन बैंक की एक शाखा में सहायक प्रबंधक पर आरोप है कि उसने ग्राहकों के लॉकर में रखे करीब 2.7 से 3 किलोग्राम सोने की हेराफेरी की। इस सोने की अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर इस सोने को बेचकर रकम ऑनलाइन सट्टेबाजी में लगा दी।

यह मामला 2 जनवरी को सामने आया, जब एक ग्राहक अपने गहने निकालने बैंक पहुंचा। लॉकर की जांच में छेड़छाड़ के संकेत मिले। आंतरिक जांच के बाद पता चला कि 21 लॉकर से गहने गायब थे, जबकि तीन लॉकर पूरी तरह खाली पाए गए। शिकायत दर्ज होने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने 34 वर्षीय सहायक प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल मामले की जांच जारी है और बैंक ने भी आंतरिक समीक्षा शुरू की है।

इससे पहले अगस्त में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की तेलंगाना के मंचेरियल जिले के चेनूर स्थित शाखा में बड़े गबन का मामला सामने आया था। ऑडिट के दौरान पता चला कि एक कैशियर ने कथित रूप से करीब 14 करोड़ रुपए की संपत्ति में हेराफेरी की। आरोप है कि इसमें लगभग 20 किलो सोना और 1.10 करोड़ रुपए नकद शामिल थे।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने कई महीनों तक योजना बनाकर सोना और नकदी को परिवार के नाम से खोले गए खातों में ट्रांसफर किया।

बेंगलुरु और तेलंगाना की इन घटनाओं ने बैंक लॉकर की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि बैंक प्रबंधन का कहना है कि ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों मामलों में पुलिस जांच जारी है और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल : देवदत्त पडिक्कल ने जड़ा दोहरा शतक, चयनकर्ताओं को दिया दमदार संदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के सेमीफाइनल में लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने अपने फर्स्ट-क्लास करियर का पहला दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने उत्तराखंड के खिलाफ जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

पडिक्कल ने दिन की शुरुआत 148 रन से की। कर्नाटक का स्कोर 355/2 था और केएल राहुल पहले ही शतक जमा चुके थे। पडिक्कल ने 245 गेंदों में 150 रन पूरे किए और फिर 288 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। करुण नायर के साथ तीसरे विकेट के लिए 129 रन की साझेदारी ने टीम को और मजबूती दी। नायर ने 105 गेंदों में 60 रन बनाए। हालांकि 118वें ओवर में लक्ष्य रायचंदानी ने पडिक्कल को आउट कर इस बड़ी पारी का अंत किया। उन्होंने 330 गेंदों में 232 रन बनाए, जिसमें 29 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उस समय कर्नाटक का स्कोर 484/4 था।

25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने चयनकर्ताओं को मजबूत संदेश दिया है। उनका पिछला सर्वोच्च स्कोर 193 था। उन्होंने अब तक सिर्फ दो टेस्ट खेले हैं और 90 रन बनाए हैं। पिछली बार नवंबर 2024 में उन्होंने टेस्ट खेला था। शानदार फॉर्म में चल रहे पडिक्कल अब भारतीय टेस्ट टीम में स्थायी जगह बनाने की कोशिश में हैं। इस साल उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट स्क्वाड में जगह मिली थी, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। अब यह दोहरा शतक टीम मैनेजमेंट के लिए साफ संकेत है कि वह लंबे फॉर्मेट में बड़ा रोल निभाने को तैयार हैं।

टी20 विश्व कप 2026, अफगानिस्तान बनाम यूएई

उमरजई का ऑलराउंड प्रदर्शन, अफगानिस्तान ने 5 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में अफगानिस्तान ने आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 5 विकेट से हराते हुए 161 रन का लक्ष्य 19.2 ओवर में हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने 20 ओवर में 160/9 का स्कोर बनाया। सोहैब खान और अलीशान शराफू ने अहम पारियां खेलीं, लेकिन अफगान गेंदबाजों ने आखिर में रनगति पर लगाम लगा दी। अजमतुल्लाह उमरजई ने गेंद से भी शानदार योगदान दिया और यूएई को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत संभली हुई रही। इब्राहिम ज़दरान ने अहम रन जोड़े और पारी को स्थिरता दी। अंत में अज़मतुल्लाह उमरज़ई ने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जोरदार चौका लगाकर मैच खत्म किया। अफगानिस्तान ने 162/5 का स्कोर बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह जीत अफगानिस्तान के लिए बेहद जरूरी थी। लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव था, लेकिन इस जीत से सुपर 8 की उम्मीदें जिंदा हैं। अब अफगानिस्तान का आखिरी ग्रुप मुकाबला कनाडा के खिलाफ है, जहां जीत उन्हें अगले दौर के और करीब पहुंचा सकती है। अफगानिस्तान ने दिखा दिया कि दबाव में भी वह वापसी करना जानता है – और जादरान-उमरजई की जोड़ी ने टीम को टूर्नामेंट में नई जान दे दी।

प्लेइंग इलेवन

यूएई : आर्यंश शर्मा, मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, सोहैब खान, सैयद हैदर, हर्षित कौशिक, मुहम्मद अरफान, हैदर अली, सिमरनजीत सिंह कांग, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद जवाद उल्लाह

अफगानिस्तान : रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नईब, सेदीकुल्लाह अतल, दरविश अब्दुल रसूल, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, जियाउर रहमान।

बीआईएस नियमों की अनदेखी पड़ी भारी स्नैपडील पर पांच लाख का जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अनिवार्य भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन का अनुपालन नहीं करने वाले खिलौने बेचने के मामले में ई-कॉमर्स मंच स्नैपडील पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 के उल्लंघन को लेकर की गई। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने बताया कि इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए स्नैपडील (ऐस वेक्टर लिमिटेड) के खिलाफ अंतिम आदेश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीपीए ने अमेजन तथा फ्लिपकार्ट जैसी अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ-साथ स्टैलियन ट्रेडिंग कंपनी और इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार स्टोर जैसे विक्रेताओं को भी नोटिस जारी किए हैं।

सीसीपीए ने जुर्माने लगाने के अलावा स्नैपडील को निर्देश दिया है कि वह भविष्य में यह सुनिश्चित करे कि उसके मंच पर कोई भी ऐसा खिलौना सूचीबद्ध या प्रचारित न किया जाए जो बीआईएस मानकों के अनुरूप न हो। प्राधिकरण ने मंच को उपभोक्ताओं की त्वरित शिकायत निवारण सुविधा के लिए संपर्क नंबर, ई-मेल पता और शिकायत अधिकारी का विवरण प्रमुखता से प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया है। खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020.. एक जनवरी 2021 से प्रभावी हुआ था जिसके तहत भारत मंय बिकने वाले सभी खिलौनों के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।

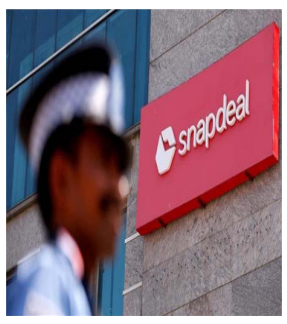

एनसीएलटी ने जेपी इंफ्राटेक की परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय कंपनी विधि प्राधिकरण (एनसीएलटी) ने सुरक्षा समूह के नियंत्रण वाली जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की परियोजनाओं के निर्माण कार्य की प्रगति का आकलन करने और विस्तृत स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए दो सदस्यीय समिति नियुक्त की है। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया नौ अगस्त 2017 को शुरू की गई थी। सात मार्च 2023 को सुरक्षा समूह की बोली को दिवाला प्राधिकरण ने मंजूरी दी थी। हालांकि, अब खरीदार परियोजनाओं के पूरा होने में अत्यधिक देरी की शिकायत कर रहे हैं। दिल्ली स्थित एनसीएलटी की प्रधान पीठ की दो सदस्यीय पीठ ने "मकान खरीदारों की परेशानी" का संज्ञान लेते हुए समिति को उनकी शिकायतों पर भी गौर करने का निर्देश दिया है।

एनसीएलटी का यह निर्देश जेपी इंफ्राटेक के फ्लैट खरीदारों द्वारा दायर आवेदन एवं हलफनामों पर आया है।

प्राधिकरण ने कहा, "इस आवेदन में उठाए गए तर्कों और विभिन्न खबरों व जवाबी हलफनामों पर बिना किसी पूर्वाग्रह तथा मकान खरीदारों की पेरशानी को देखते हुए, हम एनसीएलटी के पूर्व सदस्य पी. के. मोहंती और दीप्ति मुकेश को सात मार्च 2023 की स्वीकृत समाधान योजना के संदर्भ में परियोजनाओं के निर्माण की प्रगति का आकलन करने का दायित्व सौंपते हैं।" एनसीएलटी ने उन्हें "स्थिति और यदि कोई हो तो शिकायतों पर पूर्ण एवं व्यापक रिपोर्ट" देने का भी निर्देश दिया है। एनसीएलटी ने सभी पक्षों को "बिना किसी आपत्ति के दोनों सदस्यों के साथ सहयोग करने" को कहा है और मामले की अगली सुनवाई के लिए एक अप्रैल 2026 की तारीख मुकर्रर की। यह आदेश 12 फरवरी 2026 को न्यायमूर्ति रामलिंगम सुधाकर (अध्यक्ष) और न्यायमूर्ति रविंद्र चतुर्वेदी (तकनीकी सदस्य) की पीठ द्वारा पारित किया गया।

फ्लैट खरीदारों के संगठन ने रियल एस्टेट परियोजनाओं के निर्माण की प्रगति और एनसीएलटी द्वारा स्वीकृत समाधान योजना के तहत दायित्वों के पालन को लेकर शिकायतें उठाई हैं। मुंबई स्थित सुरक्षा समूह ने अपनी अंतिम समाधान योजना में विभिन्न अटकी आवासीय परियोजनाओं में करीब 20, 000 मकानों को पूरा कर परेशान मकान खरीदारों को कब्जा सौंपने का वादा किया था। सुरक्षा समूह ने चार जून 2024 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय प्राधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले के बाद जेपी इंफ्राटेक का नियंत्रण संभाला था।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 650 अंक उछला, निफ्टी 25, 680 के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में दिनभर तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती कमजोरी के बाद बाजार ने जोरदार रिकवरी की और बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक की तेजी के साथ 83, 277.15 पर आ गया। वहीं निफ्टी में 211.65 अंकों का उछाल आया, ये 25, 682.75 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार की भारी गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी की। खासतौर पर रियल्टी, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर में अच्छी लिवाली देखने को मिली। गौरतलब है कि पिछले सत्र में सेंसेक्स 1, 048 अंकों की गिरावट के साथ 82, 626 पर और निफ्टी 336.10 अंक टूटकर 25, 471.10 पर बंद हुआ था। इसी गिरावट के बाद निवेशकों ने कई शेयरों में वैल्यू बायिंग का मौका देखा।

चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण बंद रहे। वहीं अमेरिकी बाजार भी पिछले सत्र में मिश्रित स्तर पर बंद हुए थे। इन वैश्विक संकेतों ने घरेलू बाजार में अस्थिरता को बढ़ाया। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 1 पैसे की गिरावट के साथ 90.67 पर आ गया। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 90.63 पर खुला और कारोबार के दौरान 90.67 प्रति डॉलर तक फिसल गया। फॉरेक्स ट्रेडर्स के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी और विदेशी मुद्रा भंडार में कमी ने रुपए पर दबाव बनाया।

कुल मिलाकर, दिनभर की इस उठापटक के बीच बाजार ने निचले स्तरों से संभलने की कोशिश दिखाई, लेकिन वैश्विक संकेत और मुद्रा बाजार की हलचल आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

किसने दी हिमांशी खुराना को धमकी? लीक हुआ हिला देने वाला ऑडियो, जिसे सुन उड़े फैंस के होश!

फिल्म जगत की चकाचौंध के पीछे छिपे अंडरवर्ल्ड के काले साये ने एक बार फिर फिल्म इंडस्ट्री को दहला दिया है। हालांकि, इस बार निशाने पर कोई बॉलीवुड स्टार नहीं बल्कि पंजाबी सिनेमा की जान और 'बिग बॉस 13' फेम हिमांशी खुराना हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस को लेकर खबर आई थी कि, उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है और साथ ही 10 करोड़ रुपए की फिरौती भी मांगी गई है। वहीं अब एक ऑडियो सामने आया है, जिसे सुनकर फैंस के होश उड़ जाएंगे। सोशल मीडिया पर एक ऐसा ऑडियो क्लिप लीक हुआ है, जिसने न सिर्फ हिमांशी खुराना के करीबियों, बल्कि उनके लाखों फैंस की रातों की नींद उड़ा दी है। दरअसल, वायरल हो रहा ये ऑडियो गैंगस्टर जीशान अख्तर की तरफ से जारी किया गया है, जिसमें उसे साफ-साफ कहते हुए सुना जा सकता है, 'हिमांशी खुराना मैं जीशान अख्तर बात कर रहा हूं।।। मैंने कॉल किया लेकिन तुम उठा नहीं रही हो तो, मेरा एक मैसेज सुन लो, देखो 10 करोड़ रुपए तो तुम्हें देने ही पड़ेंगे। चाहे जितना मर्जी जोर आजमाइश कर लो।'

ऑडियो में जीशान अख्तर आगे कहते हुए सुनाई देता है, 'तो ये मेरी आवाज है और इसे फेक मत समझना और समझोगी तो इसमें नुकसान तुम्हारा ही है। तुम या कोई तुम्हारा रिश्तेदार आ गया तो मैं कोई न कोई नुकसान करवा दूंगा और ये जो मैंने रकम बोली है, वो तैयार करवा के रखो ऐसा न हो कि नुकसान करवा लो तुम और कम्प्लेंट कर देना चाहे किसी बदमाश के पास चले जाना और ये मेरी वॉइस है ना एक बार प्रशासन से चेक करवा लेना पता चल जाएगा कि ये फेक है या रियल है। ठीक है ना, तो जो रकम बोली है उसे तैयार करने की व्यवस्था करो।'

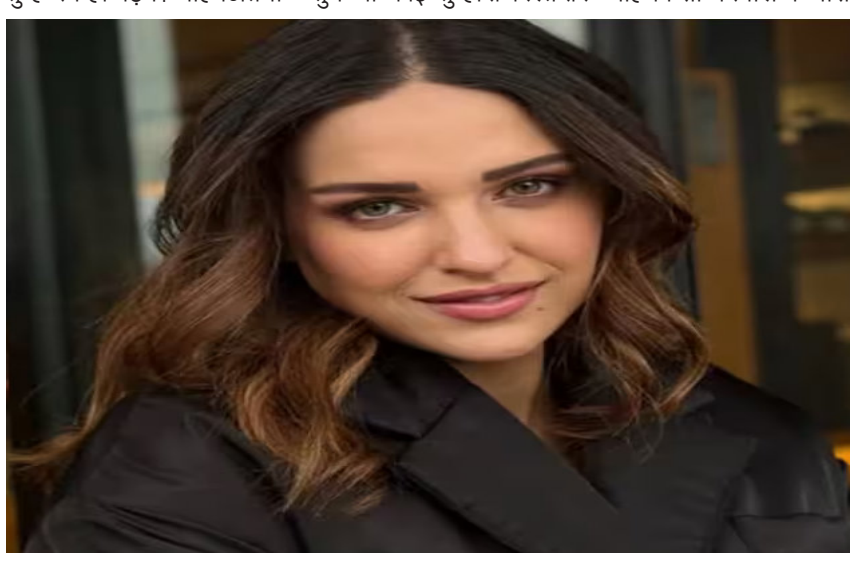

आपको बता दें कि, बीते दिन हिमांशी खुराना को धमकी मिलने की खबर आई थी, जिसके बाद एक्ट्रेस की तरफ से इसकी शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हिमांशी खुराना से फोन और ईमेल के जरिए 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है और इस मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और एक्ट्रेस की सुरक्षा कड़ी कर दी गई हैं। हालांकि, अभी तक इस मामले में हिमांश खुराना या फिर उनकी टीम की तरफ से कोई भी ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्य अभियंता (सीवर संचालन) विभाग
क्रमांक : ई.ई.एम./सीवर/7427. सिटी-1 दिनांक : 13.02.2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निम्नलिखित ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की प्रति महा-टेंडर पोर्टल (https://mahatenders.gov.in/nicgep/app) के 'ई-प्रोक्योरमेंट' अनुभाग से डाउनलोड की जा सकती है।

अ. क्र.	निविदा का विषय	निविदा आईडी	ईएमडी (रुपये में)	निविदा शुल्क (रुपये में)	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि
1.	मजगांव पंपिंग स्टेशन में मुख्य पंप सेट क्रमांक 202 के एमसीसी पैनल की मरम्मत एवं नवीनीकरण, साथ ही वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव का प्रतिस्थापन।	2026_MCGM_1278006_1	9,800/-	1452/- + 18% GST	26.02.2026 को 16.00 बजे तक

Website:-https://portal.mcgm.gov.in
https://mahatenders.gov.in/nicgep/app
E-mail:-eemechscityl.so@mcgm.gov.in

(सतीश ए. शिंदे)
कार्यकारी अभियंता (यांत्रिक) (सीवर)
सिटी-I

पीआरओ/2994/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बंगाल में एईआरओ अफसरों के निलंबन पर सियासी घमासान, भाजपा-टीएमसी आमने सामने; लगाए एक दूसरे पर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने एक फैसले से सियासी हलचल तेज हो गई है। मामले में आयोग ने सात असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (एईआरओ) को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों पर वोटर लिस्ट सुधारने के काम में लापरवाही और अपनी शक्तियों के गलत इस्तेमाल का आरोप है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है।

क्या बोले भाजपा नेता?

सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह पहली बार है जब चुनाव आयोग ने सीधे सजा देने के अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने इन अधिकारियों को गलत काम करने के लिए उकसाया था। अधिकारी ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार ने इन लोगों के खिलाफ कड़ी

अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की, तो आयोग के पास इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का भी अधिकार है।

भाजपा नेता ने अधिकारियों पर लगाए आरोप

भाजपा नेता के मुताबिक, इन अधिकारियों ने वेरिफिकेशन के दौरान फर्जी स्कूल सर्टिफिकेट, पैन कार्ड और नोटरी वाले हलफनामे स्वीकार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बड़े नेताओं के दबाव और मुख्य सचिव के इशारे पर फर्जी वोटरों के नाम जोड़ने के लिए यह सब किया गया। सुवेंदु ने यह भी कहा कि बंगाल में चुनाव आयोग से जुड़ी फाइलें मुख्य सचिव के दफ्तर के बजाय मुख्यमंत्री के पास भेजी जाती हैं, जो तय करती हैं कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में ऐसा नहीं होता और प्रधानमंत्री भी चुनाव के दौरान ऐसा हस्तक्षेप नहीं करते।

कहां से हटाए गए कितने अधिकारी?

निलंबित होने वाले अधिकारियों में तीन मुर्शिदाबाद जिले से, दो दक्षिण 24 परगना से और एक-एक पूर्व मेदिनीपुर और जलपाईगुड़ी से हैं। चुनाव आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्देश दिया है कि वे इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत विभागीय जांच और कार्रवाई शुरू करें और इसकी जानकारी आयोग को दें।

तृणमूल कांग्रेस ने किया पलटवार

दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस ने इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। टीएमसी के आईटी सेल प्रमुख देबांशु भट्टाचार्य ने कहा कि इन अधिकारियों को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग के अनुचित दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग भाजपा शासित राज्यों से माइक्रो ऑब्जर्वर भेजकर वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोशिश कर रहा था। टीएमसी ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है।

बंगाल में वोटर लिस्ट सुधारने (एसआईआर) का काम अब अंतिम चरण में है। ड्राफ्ट लिस्ट में अब तक 58 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए जा चुके हैं। अंतिम वोटर लिस्ट 28 फरवरी को जारी होने वाली है। विपक्षी दलों को आशंका थी कि फाइनल लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जा सकते हैं। फिलहाल आयोग की इस कार्रवाई ने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है।

डॉ तोमर इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस में आयुर्वेद में डिजिटलीकरण एवं आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फार्मेसी संकाय में 20-21 फ़रवरी, 2026 को 'डिजिटल हेल्थ, ए आई एवं स्मार्ट फ़ार्मा फॉर विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है । इस कॉन्फ्रेंस में विश्व आयुर्वेद मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रयागराज के ख्याति लब्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ जी एस तोमर को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया है । डॉ तोमर आयुर्वेद चिकित्सा में डिजिटलीकरण एवं आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता पर अपने विचार रखेंगे । इस आयोजन में अनेक देशों के चिकित्सा वैज्ञानिक भाग लेंगे ।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को एआई से जोड़ने पर ही संभव है सतत विकास- विजया रहाटकर का विश्वास

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026' में महिला समृद्धि का संकल्प

नई दिल्ली। तेजी से बदलते तकनीकी युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गया है, बल्कि शिक्षा, प्रशासन और उद्योग जगत का केंद्रीय आधार बन चुका है। आने वाले समय में एआई के कारण रोजगार के स्वरूप और अवसरों में बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। ऐसे में महिलाओं को केवल एआई की उपभोक्ता बनकर सीमित न रहकर शोधकर्ता और निर्माता के रूप में आगे आना चाहिए और इस परिवर्तन का नेतृत्व करना चाहिए। यदि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को एआई की शक्ति से जोड़ा जाए, तो उनका सतत विकास संभव है–यह विश्वास विजया रहाटकर, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग ने व्यक्त किया।

दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के दौरान आज दोपहर राष्ट्रीय महिला आयोग, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) और संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (यूनिटार) के संयुक्त तत्वावधान में 'एआई और आर्थिक शक्ति–महिला नेतृत्व में समृद्धि की रूपरेखा' विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। समापन भाषण में विजया रहाटकर बोल रही थीं। मंच पर यूनिटार की निदेशक (समृद्धि विभाग) मिहोको कुमामोटो, आईटीयू की क्षेत्रीय निदेशक (एशिया-पैसिफिक) अत्सुको ओकुदा, सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय के प्रधान सचिव एवं महानिदेशक ब्रिजेश सिंह तथा संगीतकार-निर्माता कार्तिक शाह उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्रीमती रहाटकर ने कहा कि यह चर्चा सत्र केवल संवाद नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। भारतीय महिलाओं ने हर दौर में परिवर्तन का नेतृत्व किया है और एआई जैसे नए क्षेत्रों में भी वे पीछे नहीं रहेंगी। इसके लिए उन्हें उपयुक्त प्रशिक्षण और मजबूत इकोसिस्टम उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महिलाओं की केवल भागीदारी ही नहीं, बल्कि एआई तकनीक पर उनकी मालिकाना हिस्सेदारी भी सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए 'एआई साक्षरता' अनिवार्य है, जिसमें डेटा संरक्षण, डिजिटल नैतिकता और साइबर सुरक्षा की गहन समझ शामिल हो। घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस क्रियान्वयन पर बल देते हुए उन्होंने सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने का आह्वान किया और भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय महिला आयोग इस दिशा में सक्रिय प्रयास करेगा। इस सत्र में ब्रिजेश सिंह ने महिलाओं के सामने मौजूद डिजिटल खतरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआई प्रणालियों का विकास मुख्यतः पुरुष-प्रधान डेटा और सामग्री पर आधारित होने से संवेदनशीलता, न्याय और समानता की कमी दिखाई देती है। 'हाइपर-ऑप्टिमाइजेशन' पर अत्यधिक जोर महिलाओं की सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है।

मणिशंकर अय्यर का बड़ा दावा : एमके स्टालिन बनेंगे इंडिया गठबंधन के 'किंगमेकर', राहुल गांधी की राह होगी आसान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्रीय विपक्ष के लिए मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक समन्वय आवश्यक है। अय्यर का तर्क था कि स्टालिन नारे लगाने के बजाय महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने में बाधा नहीं बनेंगे।

एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले एक साल में स्टालिन ने भारत में संघवाद से संबंधित हर मुद्दे को उठाया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी 'सूट-बूट की सरकार' नहीं कहा। उन्होंने कभी 'चौकीदार चोर है' नहीं कहा... उनमें यह खूबी है कि वे राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने में बाधा नहीं बनेंगे। इसके अलावा, अय्यर ने स्टालिन और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज के बीच ऐतिहासिक तुलना करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री पद ठुकराने वाले कामराज को नेतृत्व में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर एकता को प्राथमिकता देनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने संकेत दिया कि स्टालिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज की तरह ही किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक को एकजुट करना है, तो मुझे लगता है कि इसे एकजुट करने के लिए एम.के. स्टालिन सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। जब कामराज को जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत का प्रधानमंत्री बनने के लिए कहा गया, तो उन्होंने हर किसी से एक ही वाक्य कहा - न अंग्रेजी, न हिंदी। कैसे? तो, एमके स्टालिन भी उसी स्थिति में हैं। राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बशर्ते कोई ऐसा व्यक्ति हो जो अपना सारा समय इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने में लगाए।

राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन को एकजुट करने के लिए स्टालिन का समर्थन करते हुए अय्यर ने अपनी ही पार्टी के नेतृत्व की आलोचना की।

अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों पर कार्रवाई मामला, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित माघ मेले के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादती का आरोप लगाया गया था। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामले राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता संबंधित अधिकारियों के पास प्रतिनिधित्व देकर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की मांग कर सकता है।

यह जनहित याचिका अनुच्छेद 32 के तहत अधिवक्ता उज्जवल गौर ने स्वयं पेश होकर दायर की थी। इसमें प्रयागराज में माघ मेले के दौरान, खासकर मौनी अमावस्या के अवसर पर, राज्य की ओर से 'मनमानी, हिंसक और असंवैधानिक कार्रवाई' के आरोप लगाए गए थे। याचिका में दावा किया गया कि ज्योतिष पीठ (ज्योतिर्मठ) के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ आए बटुकों को 18 जनवरी को संगम में पारंपरिक स्नान करने की कोशिश के दौरान पुलिसकर्मियों ने 'जबरन घसीटा, हमला किया और बेरहमी से पीटा।'

घटना से जुड़े वीडियो और तस्वीरों का

हवाला देते हुए याचिका में कहा गया कि नाबालिगों को उनकी चोटी पकड़कर खींचा गया और उनके साथ बल प्रयोग किया गया। इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 25 का उल्लंघन बताते हुए 'क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार' करार दिया गया।

याचिका में प्रयागराज मेला प्रशासन द्वारा जारी नोटिसों पर भी सवाल उठाए गए, जिनमें 'शंकराचार्य' की धार्मिक उपाधि के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था और जमीन आवंटन व सुविधाएं रद्द करने की चेतावनी दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग करते हुए याचिकाकर्ता ने बड़े धार्मिक आयोजनों, जैसे माघ मेला, के दौरान राज्य अधिकारियों और धार्मिक नेताओं के बीच समन्वय के लिए एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने और साधुओं-बटुकों की गरिमा और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। माघ मेला 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चला और इसका आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार की देखरेख में किया गया।विवाद मौनी अमावस्या के पवित्र स्नान पर्व के दौरान शुरू हुआ, जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पारंपरिक पालकी जुलूस के साथ संगम की ओर जाने का प्रयास कर रहे थे।

प्रयागराज प्रशासन ने भारी भीड़ और नो-व्हीकल जोन नीति का हवाला देते हुए सुरक्षा कारणों से जुलूस को रोक दिया।

उ. कोरिया का यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों को सम्मान उनके परिवारों के लिए किम जोंग ने बनाई 'साएप्योल स्ट्रीट'

सियोल **(एजेंसी)**। उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों के परिजनों के लिए राजधानी प्योंगयांग में नई आवासीय सड़क का उद्घाटन किया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस सड़क का नाम 'साएप्योल स्ट्रीट' रखा गया है। सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, रविवार को हुए उद्घाटन समारोह में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन अपनी बेटी जु-ए और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद थे। अपने भाषण में किम ने कहा कि यह सड़क 'मातृभूमि की उस गहरी भावना का प्रतीक है, जो अपने उन वीर बेटों को हमेशा जीवित रखना चाहती है, जिन्होंने सबसे पवित्र मूल्यों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।' उन्होंने इसे 'हमारी पीढ़ी का गौरव और प्योंगयांग व पूरे राष्ट्र की शान' बताया।किम ने यह भी कहा कि यह आवास उन परिवारों के लिए है, जिन्होंने युद्ध में अपने प्रियजनों को खोया है, साथ ही उन सैनिकों और इंजीनियर रेजीमेंट के जवानों के लिए भी, जिन्हें विदेशों में सैन्य अभियानों पर भेजा गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शहीदों के परिवार सम्मान, विशेष सुविधाओं और पूरे समाज की देखभाल के साथ गर्वपूर्ण जीवन जिएं। भाषण और रिबन काटने के बाद किम जोंग-उन ने कुछ परिवारों के घरों का दौरा किया और उन्हें सांत्वना दी। यह जानकारी दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप ने दी। पिछले वर्ष अगस्त में किम ने इस आवासीय परियोजना की घोषणा की थी, ताकि रूस के साथ युद्ध में उत्तर कोरिया की भागीदारी को वैध ठहराया जा सके और देश के भीतर समर्थन मजबूत किया जा सके। दक्षिण कोरिया, यूक्रेन और पश्चिमी देशों के अनुसार, 2024 में रूस के साथ रक्षा समझौते के तहत उत्तर कोरिया ने करीब 14, 000 सैनिक यूक्रेन भेजे थे, जिनमें से 6, 000 से अधिक की मौत हो चुकी है। हालांकि, केसीएनए ने यह नहीं बताया कि इस नई सड़क पर कितने घर बनाए गए हैं।

बांग्लादेश की जेलें बनीं 'साइलेंट वेपन', पुलिस कस्टडी में एक और अवामी लीग नेता की जान गई

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की हिरासत में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गैबांधा जिला जेल से सामने आया है, जहां पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता शमीकुल इस्लाम की हिरासत में मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 60 वर्षीय शमीकुल इस्लाम, जो पलाशबाड़ी उपजिला में अवामी लीग के अध्यक्ष थे, रविवार को अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया और बाद में रंगपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

गैबांधा जिला जेल के प्रमुख एमडी अतिकुर रहमान ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि शमीकुल को समय रहते इलाज के लिए भेजा गया था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हालांकि, बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने जेल सूत्रों के हवाले से बताया कि अगस्त 2024 में अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने के बाद शमीकुल इस्लाम पर कई मामले दर्ज किए गए थे। उन्हें दिसंबर 2024 में ढाका से गिरफ्तार किया गया था और जमानत मिलने के बावजूद दोबारा एक अन्य केस में जेल भेज दिया गया।

इस घटना के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर राजनीतिक दमन के आरोप और तेज हो गए हैं। अवामी लीग का कहना है कि यह मौतें संयोग नहीं, बल्कि सुनियोजित उपेक्षा का नतीजा हैं। इससे पहले 7 फरवरी को पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता रमेश चंद्र सेन की भी दिनाजपुर जिला जेल में पुलिस हिरासत के दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

अवामी लीग ने आरोप लगाया कि जेलों को राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने का 'मौन हथियार' बनाया जा रहा है। पार्टी ने कहा 'इसे प्राकृतिक मौत कहा जा रहा है, लेकिन सच यह है कि बुजुर्ग और बीमार नेताओं को जानबूझकर उन्नत इलाज से वंचित किया गया। यह राज्य द्वारा किया गया अपराध है।' पार्टी ने चेतावनी दी कि हिरासत में हो रही मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाई जाएगी।

एलिमनी की डिमांड : पवन सिंह के खिलाफ ज्योति सिंह के सपोर्ट में उतरीं अक्षरा सिंह, बोलीं- 100 करोड़ मांगे

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की निजी जिंदगी काफी विवादों में है। कहा जा रहा है कि पवन सिंह ने तीसरी शादी कर ली है लेकिन इस बीच उनका दूसरी पत्नी ज्योति सिंह संग तलाक का केस चल रहा है। ज्योति ने पति पवन के खिलाफ काफी बातें कहीं और उन्होंने अपने पति पवन से एलिमनी की डिमांड की, जिस पर अब पवन सिंह की एक्स गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह का बयान सामने आया है। अक्षरा ने पवन सिंह के खिलाफ जाकर ज्योति सिंह का सपोर्ट किया है और एलिमनी की डिमांड पर अपना रिएक्शन दिया है।

हाल ही में अक्षरा सिंह ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने खुलकर पवन सिंह और ज्योति सिंह के विवाद पर अपनी राय रखी है और कहा है कि समाज को तलाकशुदा महिलाओं को बिना किसी सीमा के गुजारा भत्ता दिलाने में मदद करनी चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि जब भी कोई लड़की शादी करती है और किसी के साथ जाती है तो यह उसकी जिम्मेदारी बनती है। साथ ही, उसे एलिमनी लेने का अधिकार भी पूरा है और उसे यर पूरी तरह से मिलना भी चाहिएय चाहे वह 10 करोड़ रुपये, 20 करोड़ रुपये या फिर 100 करोड़ रुपये ही मांगे। यह शायद काफी नहीं होता, उसे गुजारा भत्ता जरूर मिलना चाहिए। अक्षरा सिंह का ये बयान काफी वायरल हो रहा है। बता दें कि ज्योति सिंह ने पवन सिंह से तलाक के चल रहे मुकदमे में एलिमनी और आर्थिक सहायता की औपचारिक रूप से मांग की है। ज्योति ने अपनी याचिका में कहा कि दोनों पक्षों की आय, सामाजिक स्थिति और कमाने की क्षमता में अंतर के कारण वह भारतीय वैवाहिक कानून के तहत गुजारा भत्ता पाने की कानूनी रूप से हकदार है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, ज्योति सिंह के मुताबिक, उनके पास अपने पति की तरह लाइफस्टाइल बनाए रखने के लिए आय को कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने पवन सिंह पर आरोप लगाया है कि ये शादी उनके नियंत्रण से बाहर हुई परिस्थितियों के कारण टूटी है। याद दिला दें कि अदालत में दोनों के विवाद पर कई बार सुनवाई हो चुकी है लेकिन अब तक पवन सिंह और ज्योति सिंह का तलाक का विवाद खत्म नहीं हो रहा है।

एआई समिट में भारत की गूंज

ताजिकिस्तान बोला-उम्मीदें बहुत ऊंची, भारत बनेगा ग्लोबल साउथ का एआई लीडर!

दुशांबे **(एजेंसी)**। ताजिकिस्तान के उद्योग एवं नई प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस काउंसिल के उपाध्यक्ष फ़िरुज्जोन सोदिक़ोव ने भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तेज़ प्रगति की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 से ताजिकिस्तान और मध्य एशिया को 'वास्तव में बहुत ऊंची उम्मीदें' हैं। एएनआई से बातचीत में सोदिकोव ने कहा कि भारत की एआई पहलें और इस वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी, नई दिल्ली को उभरती तकनीकों का वैश्विक केंद्र बना रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि समिट के दौरान होने वाली चर्चाएं, बैठकें और संभावित घोषणाएं भारत-ताजिकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पूरे मध्य एशिया के लिए लाभकारी होंगी।

सोदिकोव ने बताया कि ताजिकिस्तान की एक कंपनी पहले से ही भारत की डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी योट्टा के साथ मिलकर एआई डेटा सेंटर परियोजना पर काम कर रही है। इस साझेदारी से ताजिकिस्तान को क्षेत्रीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में विकसित करने की संभावना है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि समिट के दौरान भारत और ताजिकिस्तान के बीच एआई सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर एक अहम दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। यह समिट पहली बार ग्लोबल साउथ में आयोजित हो रहा है और इसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित 20 से अधिक देशों के नेता शामिल हो रहे हैं। यह समिट भारत की उस महत्वाकांक्षी सोच को उजागर करता है, जिसमें एआई को समावेशी, जिम्मेदारी और वैश्विक विकास का इंजन बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

पाकिस्तान में स्टेशनों पर आंतकी हमला

थाना प्रभारी समेत 3 की गई जान, घर में जिंदा मोर्टार फटने से बच्चे की मौत व 24 घायल

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को हुई तीन अलग-अलग हिंसक घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। पहली घटना बन्नू जिले में हुई, जहां उत्तर वज़ीरिस्तान से सटे मेरियन पुलिस स्टेशन के बाहर खड़े एक ऑटो-रिक्शा में लगाए गए विस्फोटक में जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत बन्नू जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

दूसरी घटना बाजौर जिले के मामुंद तहसील में सामने आई। पुलिस के अनुसार, कुछ बच्चों को पास के खेतों से एक अविस्फोटित मोर्टार शेल मिला, जिसे वे घर ले आए।खेलते समय मोर्टार फट गया, जिससे अनस नामक एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई और आठ अन्य बच्चे घायल हो गए। घायलों को खर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।तीसरी घटना भी मामुंद तहसील में ही हुई, जहां देर रात आतंकियों ने उमराय पुलिस स्टेशन पर भारी हथियारों से हमला कर दिया। मुठभेड़ के दौरान अतिरिक्त थाना प्रभारी गुल मेहसूद की मौत हो गई। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पूरे इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)